



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ६० दिनों का सफर | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 उत्तर प्रदेश पुलिस अब देश का बेहतरीन पुलिस बल : योगी

6 लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

7 गृहणियों को 'घर का सुपरस्टार' मानते हैं अक्षय कुमार

फास्ट टैक

शिवाजी महाराज पर टिप्पणी को लेकर धीरे-धीरे शास्त्री ने मांगी माफी

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में विरोध के बीच बागधर धाम के प्रमुख धीरे-धीरे शास्त्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपनी टिप्पणी को लेकर रविवार को गहरा खेद जताते हुए कहा कि उनके बयान को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान शास्त्री के उस कथित बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि शिवाजी महाराज युद्ध से थककर अपनी जिम्मेदारियां छोड़ना चाहते थे और अपने 'गुरु' समर्थ रामदास के पास मुकूट लेकर पहुंचे थे। नागपुर में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में शास्त्री ने कहा कि शिवाजी महाराज के बारे में उनकी बातों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। यदि मेरी बातों से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं इसके लिए बेहद क्षमाप्रार्थी हूँ।

चंद्रबाबू नायडू को 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को एक मीडिया घराने ने 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश में शासन सुधारों और नीतिगत पहलों के चलते राज्य निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नायडू ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इसे प्राप्त करना सम्मान और सोभाव्य की बात है। यह पुरस्कार आंध्र प्रदेश की जनता और उन सभी लोगों का है, जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया।

इंजन में आई खराबी के कारण रोका गया स्विस एयरलाइन का विमान

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली हवाई अड्डे से 245 यात्रियों को लेकर ज्यूरिख जाने के लिए निर्धारित 'स्विस इंटरनेशनल एयरलाइन' के एक विमान को आधी रात के बाद रविवार को उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण रोक दिया गया, जिसके बाद पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर रनवे पर ही यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा जिसमें चार घंटे का खर्च हो गए। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। घटना रात करीब एक बजे हुई और उस समय ए330-300 विमान (पंजीकरण एचबी-जेएफके) में चार शिशुओं सहित 232 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे।

मेराथॉन



रविवार को आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलूर 2026 मेराथॉन में 35,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल की इस 18वीं रेस में विभिन्न श्रेणियों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन देखने को मिला।

कॉरपोरेट प्रभाव की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा विकास से स्थानीय लोगों को लाभ होना चाहिए, न कि कॉरपोरेट को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



श्री विजयपुरम/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कथित कॉरपोरेट प्रभाव की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि विकास में व्यावसायिक हितों के बजाय स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यहां डॉ. बी आर आंबेडकर सभागार में प्रदेश कांग्रेस के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि बड़े व्यापारिक समूह विशेष रूप से ग्रेट निकोबार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप समूह के 'इंडिया प्वाइंट' से यात्रा शुरू न करके उन्होंने 'गलती की।' उन्होंने इसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बताया। हाल में दिल्ली में द्वीपों के आदिवासी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्रेट निकोबार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' के संबंध में उनकी चिंताओं को सुनने के बाद, उन्होंने स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए व्यक्तिगत रूप से द्वीपों का दौरा करने का फैसला किया।

चारमीनार एक्सप्रेस के पहिये से निकला धुआं

हैदराबाद/भाषा। चारमीनार एक्सप्रेस के एक डिब्बे के पहिए से धुआं और चिंगारियां निकलने के बाद उसे तेलंगाना के यदारी भुवनगिरि जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि 25 अप्रैल को हुई इस घटना में कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ और यह घटना ब्रेक बाइंडिंग के कारण हुई थी। 'ब्रेक बाइंडिंग' से तात्पर्य है कि ट्रेन के पहियों पर लगे ब्रेक ठीक से खुल नहीं पाते और आंशिक रूप से दबे रह जाते हैं जिससे घर्षण बढ़ता है तथा इस कारण धुआं या चिंगारियां निकल सकती हैं।

भाजपा महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर अपना हमला तेज करते हुए उस पर अराजकता की संस्कृति को बढ़ावा देने, महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने और प्रशासन चलाने के लिए आपराधिक तत्वों पर निर्भर रहने का आरोप लगाया, साथ ही विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा के सत्ता में आने पर व्यापक बदलावों का वादा किया। राज्य चुनावों के लिए प्रचार के अंतिम दिन से एक दिन पहले उत्तर

उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में तृणमूल सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है, और कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की राज्य में शासन करने के लिए असामाजिक तत्वों पर निर्भरता अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करने और प्रशासन को वापस पटरी पर लाने के लिए मजबूर करती है। ममता बनर्जी के नाम का स्पष्ट विलोम शब्द गढ़ते हुए, प्रधानमंत्री ने सत्तारूढ़ दल को निर्भर सरकार बताया जो भय और धमकियों पर पनपती है।

'सत्ता केवल सद्गुण के साथ ही लाभकारी होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि सत्ता तभी लाभकारी होती है जब उसके साथ सद्गुण भी हो। नागपुर में 'नाग भूषण पुरस्कार' वितरण समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने पुरस्कार पाने वालों की प्रशंसा करते

हुए कहा कि एक प्रतिभा 10 प्रतिशत प्रेरणा और 90 प्रतिशत परिश्रम का परिणाम होती है। वर्ष 2025 का ये पुरस्कार सोलर ग्रुप के अध्यक्ष तथा पंचश्री पुरस्कार से सम्मानित सत्यनारायण नुवाल को प्रदान किया गया। उन्हें रक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पित निरवधार्थ सामाजिक सेवा के लिए यह पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2025 का 'युवा नाग भूषण पुरस्कार' 'यंग आयरन मैन' श्रेणी में दक्ष खाटे को प्रदान किया गया। आरएसएस प्रमुख ने कहा, सत्ता तभी लाभकारी होती है जब उसके साथ सद्गुण भी हो। हमें सद्गुणों से सुशोभित सत्ता की आवश्यकता है।

एआई कोई खतरा नहीं : श्रीकांत वेलामकन्नू

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के शीर्ष संगठन नैसकॉम के चेयरमैन श्रीकांत वेलामकन्नू ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह इसके विकास को गति देगा और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।



नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज) के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी ऐसे समय में श्रीकांत वेलामकन्नू ने संभाली है, जब भारतीय आईटी उद्योग भू-राजनीतिक अस्थिरता और कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न बदलाव जैसी दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, एआई भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग को गति देगा। यह हमारे प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए कोई खतरा नहीं है। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। अगर इसे सही तरीके से समझा जाए, तो हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं क्योंकि पहला, इससे प्रदर्शन में काफी सुधार होगा। दूसरा, इस उद्योग के भविष्य को लेकर भरोसा और मजबूत होगा। प्रौद्योगिकी उद्योग का भविष्य बहुत उज्वल है और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि नैसकॉम में मेरे कार्यकाल के दौरान दुनिया इसे पहचाने।

ट्रंप के रात्रिभोज कार्यक्रम में चली गोलियां, एक गिरफ्तार



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

अमेरिका और ईरान के अधिकारी फोन पर बात कर सकते हैं : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए फोन पर बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप ने 'फॉक्स न्यूज चैनल' पर एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने उद्घाटन में 17 घंटे का समय लगाकर प्रतिनिधिमंडल भेजने के बजाय यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं। अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमारे पास आ सकते हैं, या वे हमें फोन कर सकते हैं।' शनिवार को वार्ता तब विफल होती दिखाई, जब तेहरान के शीर्ष राजनयिक पाकिस्तान से रवाना हो गये थे। इसके तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दूतों को इस्लामाबाद की यात्रा न करने के लिए कहा था।

मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था। उस समय राष्ट्रपति ट्रंप, एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियान्ग और 'मेटलिट' ओज पलमैन के साथ बातचीत करते नजर आ रहे थे। पलमैन वाशिंगटन हिल्टन में आयोजित इस मुख्य कार्यक्रम में अपना शो पेश करने वाले थे। खुफिया सेवा के अधिकारियों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने राष्ट्रपति, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस को सुरक्षा घेरा बना कक्ष से बाहर ले गए।

॥ जय महावीर ॥
॥ जय गुरु पारस ॥ ॥ पूज्य जयमल्लय नमः ॥ ॥ जय गुरु पदम ॥

बेंगलूर नगरी की ध्वजधरा पर श्री जैन भागवती दीक्षा महोत्सव

27 से 29 अप्रैल 2026
त्रिदिवसीय कार्यक्रम
सकल श्री संघ को भावभरा आमंत्रण

जयगच्छाधिपति संघ सुमेरु, व्याख्यान वाचस्पति, उग्र विहारी, वचन सिद्ध साधक, आशुशक्ति, अनुशासन प्रेमी, बारहवें पड़दर पूज्य श्रावर्च प्रवर 1008 श्री पार्श्वचंद्रजी म.सा., एस. एस. जैन समग्री मार्ग के प्रारम्भकर्ता, प्रवचन प्रभावक बारह व्रतों के प्रबल प्रेरक, अणुपेधा ध्यान प्रणेता, युवामनीषी, डॉ. श्री पदमचंद्रजी म.सा., गौन साधक श्री जयधुरधरमुनिजी म.सा., सेवाश्री श्री जयकलशमुनिजी म.सा., तत्परसिद्ध श्री जयपुरन्दरमुनिजी म.सा., नवदीक्षित श्री जयसुबोधमुनिजी म.सा. ताणा 6 के पावन साहित्य में बेंगलूर निवासी मुमुक्षु श्री संजयजी पुंगलिया (सुपुत्र : श्री प्रकाशचंद्रजी पुंगलिया) श्री जैन भागवती दीक्षा अंगीकार करने जा रहे हैं।

सोमवार, दि. 27 अप्रैल 2026
* पाठ मुहूर्त : प्रातः 9:05 बजे * प्रवचन : प्रातः 10 बजे
* केशर छटना : प्रवचन के पश्चात * मंगल गीत : दोपहर 2 बजे
* मेहनती ररम : दोपहर 3 बजे स्थल : तेरापंथ सभा भवन, गाँधीनगर, बेंगलूर

मंगलवार, दि. 28 अप्रैल 2026
* भव्यातिभव्य शोभायात्रा : प्रातः 8 बजे तेरापंथ सभा भवन से प्रारम्भ होकर फ्रीडम पार्क पहुँचेगी
* प्रवचन : प्रातः 10 बजे * बड़े मंगल गीत : दोपहर 2 बजे बेंगलूर के सभी महिला मंडलों द्वारा दीक्षाार्थी की अनुमोदना
* वैराग्यपूरक भक्ति संख्या : सायं: 7:30 बजे स्थल : फ्रीडम पार्क
प्रस्तुति : वर्धमान आर्यविल तप आराधक बंधु बेलडी सुप्रसिद्ध गीतकार श्री मोहनजी मनोजजी जैन चेत्रई

बुधवार 29 अप्रैल 2026
वृहद्शाला : प्रातः 7:30 बजे, स्थल : तेरापंथ सभा भवन, गाँधीनगर, बेंगलूर
महाभिनिष्क्रमण यात्रा : प्रातः 8:30 बजे तेरापंथ सभा भवन से प्रारम्भ होकर फ्रीडम पार्क पहुँचेगी
दीक्षा महोत्सव : प्रातः 9:30 बजे से, स्थल : फ्रीडम पार्क, मल्टी लेवल पार्किंग, बेंगलूर

निवेदक : श्री अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ - शाखा बेंगलूर

अध्यक्ष मंत्री कोषाध्यक्ष उपाध्यक्ष सह मंत्री समस्त कार्यकारिणी
मीतालाल लोढ़ा मनोहरलाल इंगरवाल गौतमवन्द मकाणा किरणवन्द बोहरा महेंद्रकुमार मेहता समिति एवं सदस्यगण

श्री अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ
* राष्ट्रीय अध्यक्ष : अरुणकुमार गोटावत (बेंगलूर) * राष्ट्रीय महामंत्री : प्रकाशचन्द बोहरा (चेन्नई) * राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष : गौतमचन्द कोठारी (व्यावर)
जे.पी.पी. जैन युवा फाउण्डेशन, बेंगलूर - अध्यक्ष : चेतनकुमार कोठारी, मंत्री : अक्षयकुमार श्रीश्रीमाल
श्री जयमल जैन महिला मंडल, बेंगलूर - अध्यक्ष : सुनिता गोटावत, मंत्री : सरलाबाई चौरडिया
जे.पी.पी. जैन महिला फाउण्डेशन - * तक्षमीनारायणपुरम - अध्यक्ष : अमिता नाहर, मंत्री : नीलम गुनगुनिया * हलसूरु - अध्यक्ष : दीपा बोहरा, मंत्री : समता छाजेड * राजनीनगर - अध्यक्ष : संतोष लतवाणी, मंत्री : संगीता जैन * बसवगुडी - अध्यक्ष : नन्दा सियाल, मंत्री : रवेण बोहरा

विशेष अनुमोदना : दीक्षा महोत्सव में पधारते वाते महाबुधवार दीक्षा अनुमोदनाथी 3-3 साप्ताहिक एवं उपावास करने का लक्ष्य रखें।
दिनांक 27, 28 व 29 अप्रैल 2026 को फ्रीडम पार्क में रकूट एवं कार पार्किंग की निःशुल्क व्यवस्था संघ द्वारा बेरमैट में की गई है।

27-04-2026 28-04-2026
सूर्योदय 6:34 बजे सूर्यास्त 6:00 बजे

BSE 76,664.21 NSE 23,897.95
(-999.79) (-275.10)

सोना 15,861 रु. चांदी 254,700 रु.
(24 केटर) प्रति ग्राम प्रति किलो

निशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये पब्लिक है
संकेतों का विश्लेषण कर, समझे हम जन मन की भाषा। शब्दों की सिर्फ जुगाली से, ना मिटती भूखों की आशा। हर बार सफल ना हो सकता, शकुनि के पाशों का पाशा। जनसेवक केवल जुमलों से, जनता को ना दे सकते झाँसा।।

कविता अपनी खुद की टीआरएस लेकर आई, क्या बीआरएस की संभावनाओं को होगा नुकसान?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना रखा है, जिसका संक्षिप्त नाम टीआरएस है, जो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की असली पहचान से मिलता-जुलता है। इससे यह बहस छिड़ गई है कि क्या ये उनके पिता की पार्टी के हितों को नुकसान हो सकता है।

कविता के पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था, जो तेलंगाना राज्य के मुद्दे से जुड़ी भावनाओं के अनुरूप था। हालांकि, केसीआर की देश भर में पार्टी का विस्तार करने

की महत्वाकांक्षी योजना के बाद 2022 में इसका नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया। टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस करना लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव खोने और तेलंगाना राज्य की दशकों पुरानी आकांक्षा को तोड़ने के रूप में देखा गया। नाम परिवर्तन को 2023 के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है, जिससे दक्षिणी राज्य में क्षेत्रीय पार्टी के एक दशक के शासन का अंत हो गया।

शनिवार को धूमधाम से अपने संगठन का नाम टीआरएस रखना, कविता द्वारा अपने पिता और मूल टीआरएस की विरासत पर दावा करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बीआरएस से उनका बाहर निकलना कटुतापूर्ण था क्योंकि



निजामाबाद की पूर्व सांसद कविता को एक सिंचाई परियोजना को लेकर उनके चचेरे भाइयों और पार्टी नेताओं, टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार की आलोचना करने के लिए निर्लंबित कर दिया गया था। राजनीतिक विश्लेषक तेलकापल्लू रवि ने कहा कि कविता बीआरएस के असंतुष्ट और नाराज तत्वों के लिए एक एकजुटता

का केंद्र बन सकती हैं, क्योंकि उनकी पार्टी का नाम टीआरएस है। उन्होंने 'पीटीआई भाषा' को बताया, कुछ समय पहले जब कविता ने संकेत दिया था कि उनकी पार्टी का नाम टीआरएस होगा, तो बीआरएस ने तुरंत कहा कि वे अपना मूल नाम ही रखने की कोशिश करेंगे। यह एक राजनीतिक नेता के लिए एक तरह का प्रोत्साहन

है। वह इसे अपनी पहली जीत भी बता सकती हैं।

रवि ने आगे कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को उतना ही फायदा होगा जितना वह बीआरएस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाएगी। उन्होंने हालांकि कहा कि कविता के कांग्रेस और बीआरएस दोनों को चुनौती देने वाली एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि कविता की पार्टी भाजपा को कुछ हद तक प्रभावित कर सकती है क्योंकि तेलंगाना पहचान के कट्टर समर्थक कांग्रेस और बीआरएस को वोट नहीं देना चाहते हैं तो वे उनकी पार्टी को चुन सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, कविता अलग-अलग मुद्दों पर भाजपा पर हमला करने का विकल्प भी चुन सकती हैं।



प्रेम, परम्परा और भक्ति के साथ मनाया गणगौर उत्सव

बंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की सदस्यों द्वारा रविवार को गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में गणगौर के पारंपरिक गीतों की भक्तिमय

संगीतमय प्रस्तुतियां दी गईं। कमलाबाई कोठारी, सुरेखा श्रीश्रीमाल और कांता चावत को गीतों के लिए, सरिता हीरावत को मेहंदी लगाने के लिए तथा सपना गन्ना, जयश्री सुराणा और कांता चावत को सोलह शृंगार के साथ

विशेष पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनीता कोठारी ने किया। पूर्व अध्यक्ष उषा चौधरी सहित अनेक सदस्यों उपस्थित थीं। प्रिया मुथा ने सभी को धन्यवाद दिया।



बैठक में दीक्षा महोत्सव आयोजन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई

बंगलूरु/दक्षिण भारत । जयगच्छविधिपति आचार्य पार्थिवचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 27 अप्रैल से मुमुक्षु संन्यास पुंजलिया के त्रिविधसूत्री दीक्षा महोत्सव के आयोजन हेतु एक महत्वपूर्ण कार्य योजना बैठक का आयोजन जेपीपी जैन समुदाय सेंटर में किया गया। पंच परमेश्वर वंदना एवं जय जाप के पश्चात दीक्षा महोत्सव के कार्यों का विभिन्न समितियों को दायित्व सौंपा गया एवं कार्य योजना

का विवरण दिया गया। संघ के अध्यक्ष मीठालाल लोढा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी की सक्रिय भागीदारी एवं तत्परता अत्यावश्यक है। संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने संपूर्ण रुपरेखा प्रस्तुत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोदावत ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवतमल नाहर, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, कोमलचंद धोका ने अनेक सुझाव दिए। इस

सभा में प्रत्येक संस्था और संगठन को उनके दायित्वों के अनुसार कार्य सौंपे गए जिससे महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। प्रचार प्रसार प्रभावी जेके महावीरचंद्र चोरडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सभा में जयमल जैन श्रावक संघ बंगलूरु शाखा, जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन, जयमल जैन महिला मंडल, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विचार व्यक्त किए।



अहिंसा, क्षमा और सहनशीलता महावीरस्वामी की साधना के मूल बिन्दु हैं : आचार्य विमलसागरसूरी

कोपल्ला/दक्षिण भारत । आचार्य विमलसागरसूरी और गणिका पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणद्वंद्व के सान्निध्य में रविवार को चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीरस्वामीजी का 2522 वां केवलज्ञान कल्याणक बहुत ही भक्तिभावना पूर्वक मनाया गया। जिनालय में विशेष पूजा अर्चना की गई। संगीतमय मंत्रजाप और सामूहिक आरती का आयोजन हुआ।

मुनिमुद्रत जिनालय के पास स्थित आराधना भवन में धर्मसभा को सही मार्गदर्शन देने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने कहा था कि लड़ाइयों और हिंसा मानवता के

प्रति घोर अपराध है। उस राह पर चलकर वैश्विक जीवन की संभावनाओं को आगे बढ़ाया नहीं जा सकता। मानवजाति के जीने के लिए तो अहिंसा, मैत्रीभावना, परस्पर सहयोग, संसाधनों का कम उपयोग, पर्यावरण का संरक्षण और सांख्यिक जीवनशैली ही शाश्वत विकल्प है। दुर्भाग्य है कि आज हम सभी विकल्पों को समाप्त करते जा रहे हैं। जैनोचारायों ने आगे कहा कि जातिवाद, संप्रदायवाद, जीवहिंसा और युद्ध इस पृथ्वी के व्यापक विनाश के कारण बनेंगे। आज कमोबेश पूरी दुनिया इस भयावह रास्ते पर आगे बढ़ गई है।

रुजुवालिका नदी के तट पर साढ़े बारह वर्ष की कठोर साधना के बाद भगवान महावीरस्वामी को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। अहिंसा, क्षमा और सहनशीलता उनकी साधना के मूल बिन्दु थे। उनके उपदेश आज भी अशांत विश्व को सही मार्गदर्शन देने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने कहा था कि लड़ाइयों और हिंसा मानवता के

आप ने सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध राज्यसभा सभापति से किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा।

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने रविवार को राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन को एक पत्र भेजकर उच्च सदन के उन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने हाल ही में 'आप' छोड़कर भाजपा में विलय की घोषणा की है।

सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्यसभा के सात सदस्यों

द्वारा उठाया गया कदम दल-बदल के समान है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर पार्टी इस मामले में कानूनी कदम उठाएगी।

'आप' ने पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध राज्यसभा सभापति से किया है और दावा किया है कि वे (सांसद) आप की टिकट पर उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए थे लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ने और

चुनना के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं।' उन्होंने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के कुल 10 सदस्य हैं।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सिंह ने दावा किया कि उतराखंड और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित मामलों सहित उच्चतम न्यायालय के कई फैसलों में यह स्पष्ट किया गया है कि दलबदल के ऐसे मामलों में किस तरह पद से अयोग्य ठहराया जा सकता है।



आचार्य महाश्रमण का आत्मबल, संयमबल, श्रद्धाबल व श्रमबल बेजोड़ है : साध्वी संयमलता

बंगलूरु/होसूर/दक्षिण भारत । आचार्यश्री महाश्रमणजी का 65वां जन्मोत्सव एवं 17वां पड़ोसव साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन होसूर में मनाया गया। साध्वी संयमलताजी अपने गुरु के गुणगान करते हुए कहा कि भारत पुण्य धरा है जहां अनेक विभूतियों ने जन्म लिया। 21वीं सदी की विरल विभूति हैं आचार्य महाश्रमण। आत्मबल, संयमबल, श्रद्धाबल, श्रमबल, नियोजन बल के धारक हैं आचार्य महाश्रमण। आचार्यश्री

ज्योतिर्मय हैं, रसमय हैं, उनका हर घिनल प्रशस्तर, मधुर वचन, सुविहित आचरण मंगलमय है। उनकी श्रमशीलता, स्फूर्ति और अप्रमत्तता को देख थकान भी थक जाती है। संवादन करते हुए साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि प्रसन्नता से हुए कहा कि भारत पुण्य धरा है जहां अनेक विभूतियों ने जन्म लिया। 21वीं सदी की विरल विभूति हैं आचार्य महाश्रमण। आत्मबल, संयमबल, श्रद्धाबल, श्रमबल, नियोजन बल के धारक हैं आचार्य महाश्रमण। आचार्यश्री

मनीषाप्रभाजी, साध्वी रौनकप्रभाजी ने गीत व भाव से गुरुदेव की वंदना की। इस मौके पर होसूरकोटे तेरापंथ सभा के अध्यक्ष धर्मचंद्र धोका, होसूर सभा के अध्यक्ष मंगल बाफना, बन्नगराड़ा सभा के अध्यक्ष राजकुमार कोटेवा, सेलम सभा के अध्यक्ष प्रवीण बोहरा व होसूर सभा के प्रभारी संजय बांठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। ज्ञानशाला के बच्चों ने 'महाश्रमण जीवन गाथा' की रोचक प्रस्तुति दी। विनय सेठिया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री पवन सेठिया ने धन्यवाद दिया।

स्वच्छ ऊर्जा, स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता दर्शाती है: सावंत



पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' सुनने के बाद कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। सावंत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कलपकर्म में स्वदेशी रूप से विकसित 'फास्ट ब्रीडर रिपेक्टर' के क्रांतिकर्ता (किटिकैलिटी) हासिल करने पर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों का उल्लेख किया जो देश के असेन्य परमाणु ऊर्जा सफर में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा 56 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता का आंकड़ा पार करने का भी उल्लेख किया, जो स्वच्छ और सतत ऊर्जा की दिशा में देश की निरंतर प्रगति को रेखांकित करता है। सावंत ने कहा कि प्रसारण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों में बांस क्षेत्र में उभरते अवसरों, यूरोपियन ग्लॉस मैथेमेटिकल ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के प्रदर्शन के बारे में भी बात की और नागरिकों से आगामी डिजिटल जनगणना 2027 में भाग लेने का आग्रह किया।



गुरुग्राम: प्लास्टिक कारखाने में लगी भीषण आग आसपास के गोदामों तक फैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी से सटे गुरुग्राम के बजधेड़ा इलाके में रविवार को एक प्लास्टिक कारखाने और गोदाम में भीषण आग लग गई और इसने अपनी छपेट में आसपास की अन्य इकाइयों को भी ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग के मद्देनजर एहतियातन आसपास के इलाके को खाली करा लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, आग लगने की जानकारी सुबह करीब पांच बजे मिली। कारखाने के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें बढ़ती देख अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचित किया।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही आग बुझाने के लिए छह दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया और कारखाने के इलाके के इलाके को खाली करा लिया। उन्होंने बताया कि घने धुएँ के कारण पास की छह आवासीय सोसाइटी में अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई। अधिकारियों के मुताबिक कारखाने में लगी आग की छपेट में नजदीक में मौजूद लकड़ी के गोदाम भी आ गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

एआई बदलाव के दौर में भारतीय आईटी क्षेत्र, शीर्ष पांच कंपनियों के मिले-जुले नतीजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शीर्ष पांच कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, एचसीएलएलके, विप्रो और टेक महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 का समापन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर किया है। ये कंपनियां वैश्विक आर्थिक दबाव, पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि आईटी क्षेत्र तेजी से पारंपरिक कार्य-प्रणाली से आगे बढ़ रहा है। एआई के कारण पुरानी आईटी सेवाओं से होने वाली आय पर दबाव पड़ रहा है, लेकिन इसकी भरपाई नई एआई-आधारित सेवाओं के बढ़ते अवसरों से हो रही है। अब कंपनियां बड़ी परियोजनाओं के बजाय परिणाम-आधारित और छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे अनुबंधों पर अधिक ध्यान दे रही हैं। यह बदलाव कंपनियों के भविष्य के अनुमान और कर्मचारियों से जुड़े रुझानों में भी साफ दिख रहा है। जहां टीसीएस और इन्फोसिस को लगता है कि मुश्किल दौर अब कम हो रहा है, वहीं एचसीएलएलके और विप्रो ने आगे भी अनिश्चितता और कमजोर मांग की आशंका जताई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले कुछ वर्षों में एआई के कारण पारंपरिक आईटी सेवाओं की आय हर साल दो से तीन प्रतिशत तक घट सकती है। हालांकि, 2030 तक एआई से जुड़ी सेवाओं का बाजार 300-400 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है।

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 12.22 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 13,718 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। इस दौरान उसकी परिचालन आय 9.64 प्रतिशत बढ़कर 70,698 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 49,210 करोड़ रुपये और आय 2.67 लाख करोड़ रुपये रही। कंपनी का कहना है कि वह नए वित्त वर्ष में सकारात्मक स्थिति के

साथ प्रवेश कर रही है और हाल की अधिकांश चुनौतियां अब पीछे छूट चुकी हैं। एआई सेवाओं से उसकी सालाना आय 2.3 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है, जो कुल आय का छह प्रतिशत से ज्यादा है।

टीसीएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. कृतिवासन ने कहा कि नए सौदों पर हस्ताक्षर के दम पर टीसीएस सकारात्मक गति के साथ नए वित्त वर्ष में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उसे जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, उनमें से अधिकांश काफी हद तक कम हो



चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संकट का असर मुख्य रूप से यात्रा और परिवहन क्षेत्र के ग्राहकों तथा खाड़ी क्षेत्र में स्थित कंपनियों तक सीमित रहेगा। इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8,501 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 10,20 करोड़ रुपये हो गया, जबकि आय 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आय 11.18 प्रतिशत बढ़कर 1,30,144 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने मांग के माहौल को अस्थिर बताया और कहा कि शुल्कों और

1,78,650 करोड़ रुपये रही। कंपनी प्रबंधन ने माना कि एआई पारंपरिक सेवाओं को प्रभावित कर रहा है, लेकिन नई एआई सेवाओं की मांग से इसकी भरपाई हो रही है। इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलील पारेख ने कहा, ईरान युद्ध के कारण आर्थिक माहौल में बदलाव आया है, लेकिन स्थिति धीरे-धीरे स्थिर होती दिख रही है। जिन देशों में हमारा बड़ा बाजार है, वहां की अर्थव्यवस्था मजबूत है, निवेश हो रहा है और एआई तेजी से बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएलएलके का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 4.488 करोड़ रुपये रहा जबकि आय 12.34 प्रतिशत बढ़कर 33,981 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 4.30 प्रतिशत घटकर 16,642 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आय 11.18 प्रतिशत बढ़कर 1,30,144 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने मांग के माहौल को अस्थिर बताया और कहा कि शुल्कों और

कम होते खर्च के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। एचसीएलएलके ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एक से चार प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान दिया है। कंपनी ने बताया कि एआई के कारण पारंपरिक सेवाओं में हर साल दो से तीन प्रतिशत की कमी आ रही है, हालांकि उन्नत एआई सेवाओं से आय बढ़ रही है। एचसीएलएलके के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सी. विजयकुमार ने कहा, तिमाही के दौरान कुछ क्षेत्रों में कमजोरी, कम खर्च और फैसलों में देरी के कारण प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। हमारी नई एआई सेवाओं को बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और हमारा मुख्य लक्ष्य भविष्य में एआई से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाना है। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में उसका कारोबार बहुत सीमित है और कुल आय में इसका योगदान लगभग एक प्रतिशत ही है। विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 1.89% घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आय 7.6% बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपये रही।



कृषि और ग्रामीण विकास को नई गति देने की पहल, आज से प्रारंभ होगा ग्राम रथ अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि 27 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला ग्राम रथ अभियान प्रदेशवासियों को राज्य सरकार की कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। मुख्य सचिव रविवार को शासन सचिवालय में ग्राम रथ अभियान के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के किसानों को तकनीकी रूप से उन्नत कृषि क्षेत्र और अग्रसर करने तथा कृषि क्षेत्र

में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जयपुर में 23 से 25 मई तक 'ग्राम-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राज्य सरकार द्वारा 27 अप्रैल से 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जिलों में ग्राम रथों का रूट चार्ट तैयार कर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान संपर्क पोर्टल पर संबंधित विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े संबंधित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र निरस्तारण

किया जाए। साथ ही, आवश्यक समर कंटीजेंसी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम रथ अभियान से जुड़े सभी 13 विभाग कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी जिला कलेक्टरों से अभियान की तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अभियान के नोडल विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश की 183 ग्रामीण बहुल विधानसभा

क्षेत्रों में ग्राम रथों के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम रथ द्वारा प्रतिदिन 4 से 5 ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही लोक कलाकारों द्वारा कला जत्था के माध्यम से संस्था चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे योजनाओं की जानकारी जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। अभियान के दौरान स्थानीय ग्रामीणों से सुझाव प्राप्त करने के लिए सुझाव पेडिका की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे योजनाओं

के क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके। इसके अतिरिक्त, विभिन्न अवसरों पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के संदेश एवं संवाद डएऊ स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित किए जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव परिप्रेक्ष्य भवानी सिंह देवा, शासन सचिव, सहकारिता समित शर्मा, शासन सचिव, पंचायतीराज डॉ. जोगाराम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, सभी जिला कलेक्टर एवं संभागीय आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कई कैच छोड़े, मैदान पर बेहतर हो सकते थे : रियान पराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली पांच विकेट की हार के बाद कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े और इसमें सुधार करना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन (74 रन) और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (57 रन) की अर्धशतकीय पारियां 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के शतक पर भारी पड़ी जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। पराग ने मैच के बाद कहा, हमने कुछ ज्यादा कैच छोड़े।



अभिषेक शर्मा जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के आप कैच नहीं छोड़ सकते। मैदान पर हम और बेहतर हो सकते थे। हमें सुधार करना होगा। क्षेत्ररक्षण मैच में काफी अहम भूमिका अदा करती है। अगले मैच में तरोताजा होकर वापसी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कर्मिसन ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के मैदान पर हराने के बाद कहा कि वापसी के बाद हराने मैच

में मिली जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस जीत से काफी खुश हूँ। नहीं पता था कि मेरा पहला मैच कैसा जाएगा। मुझे लगता है कि आपको अपनी बल्लेबाजी पर भी काम करना चाहिए। अगर आपके एक या दो ओवर खराब हो भी जाएं तो आप वापसी करके प्रभाव डाल सकते हैं। लेकिन अच्छी जीत रही। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के 36 गेंद में आईपीएल के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक और ध्रुव जुरेल (51 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 112 रन साझेदारी की बढौलत छह विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाकर अपनी पांचवीं जीत दर्ज की।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर में सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के '133वें संस्करण' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर में मन की बात के इस कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम, पवन ऊर्जा, रीजिनल इलाकों में गोडावण

संरक्षण, बीटिंग रिट्रीट के न्यूजिक की वेल्स ओटीटी पर उपलब्धता, कच्छ के रण में फ्लेमिंगो बर्ड, उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों में गज भिन्न, छत्तीसगढ़ में काले हिरण, बैंग्लूर सेक्टर में नॉर्थ-ईस्ट की सफलता, नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया के अभिलेख पटल, यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ऑलंपियाड में देश की बेटियों के बेहतरीन प्रदर्शन, डिजिटल जनगणना अभियान, देश के विभिन्न राज्यों में बन रही चीज, गुरुदेव टैगोर की जन्म जयंती का

उल्लेख किया। उन्होंने देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में आ रहे सकारात्मक बदलावों और देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हैं। इससे आमजन भी विकसित भारत की यात्रा में सहभागिता के लिए प्रेरित होते हैं। इस दौरान सांसद मदन राठौड़ सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।



दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, नवजीवन का आरंभ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन के नव आरंभ का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि अर्जित ज्ञान को समाज और राष्ट्र के हित में समर्पित करना ही दीक्षांत का मूल उद्देश्य है। राज्यपाल बागडे सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दण्डिक न्याय विद्यालय, जोधपुर के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ प्राप्त शिक्षा को व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया जाता है। प्राचीन गुरुकुल परंपरा के 'समावर्तन संस्कार' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य सत्य, धर्म और विनम्रता के साथ जीवन में आगे बढ़ना है। राज्यपाल ने

विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान को समाज को समर्पित करें तथा नागरिकों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम एवं न्याय की रक्षा के प्रहरी के रूप में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में पुलिसिंग अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, जहाँ साइबर अपराध, आतंकवाद, नशीले पदार्थों का प्रसार और सामाजिक असंतुलन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बागडे ने कहा कि 'जन सेवा ही परम धर्म' की भावना के साथ कार्य करते हुए तथा जनता को मित्र मानकर ही पुलिस अपनी सकारात्मक छवि स्थापित कर सकती है। जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति है। राज्यपाल ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के महत्व पर बल देते हुए कहा कि डेटा एनालिटिक्स, फोरेंसिक एवं साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में दक्षता आवश्यक है, किन्तु इसके साथ मानवीय मूल्यों को भी समान महत्व देना चाहिए। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की एकता एवं

अखंडता सर्वोपरि है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने शिक्षा के समग्र स्वरूप पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर एकता एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास के साथ नैतिक विकास भी आवश्यक है। नैतिकता के आधार पर ही जीवन को श्रेष्ठ, सार्थक एवं समाजोपयोगी बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि पुलिस की छवि को सकारात्मक बनाने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। केवल अपराध नियंत्रण ही नहीं, बल्कि समाज का विकास अर्जित करना भी उत्तना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय्य द्वारा पुलिसिंग, आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं दण्डिक न्याय के क्षेत्र में किए जा रहे शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों की सराहना की तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य आधारित पाठ्यक्रम एवं शोध को बढ़ावा देने पर बल दिया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी ने कहा कि न्याय धर्म की जड़ है और सेवा राष्ट्र का प्राण। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संकल्प दिवस बताते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र सेवा, न्याय एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय्य पुलिसिंग, आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं दण्डिक न्याय के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है तथा विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं शोध आधारित शिक्षा प्रदान कर रहा है। राज्यपाल ने विद्यालय्य से अपेक्षा की कि यह पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक एवं शोध आधारित कार्यों को बढ़ावा देते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में विवेक, संवेदनशीलता, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है तथा यही राष्ट्र निर्माण का आधार है। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने छात्र छात्राओं को डिग्री एवं पदक प्रदान किए।

सड़क हादसे में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में एक स्पॉट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा शनिवार रात अराई क्षेत्र में उस वक्त हुआ जब थार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। उसने कहा कि घटना के बाद वाहन चालक मरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। उसने बताया कि मृतकों की पहचान कटसुरा गांव निवासी गीता घासल (38), उनके बेटे भंवर लाल (18) और गीता की बहन के बेटे हनुमान के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार गीता बेटे के साथ अपनी बहन के घर गई थीं और लौटते समय हनुमान भी उनके साथ था। उसने बताया कि हादसे के बाद तीनों को किशनगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।



गांव के विकास का आधार है ग्राम विकास अधिकारी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांव के विकास का आधार हैं। वे जरूरतमंदों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाते हैं तथा ग्रामीणों के सपनों को पूरा करने में योगदान भी देते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को धरातल पर उतारने में ग्राम विकास अधिकारी अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के अभिनेन्दन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन से ही राजस्थान समृद्ध बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' होना चाहिए। इसी कड़ी में ग्राम विकास अधिकारी को युवाओं को सरकारी नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स आर्थिक रूप से सशक्त एवं

बड़ी संख्या में लाभार्थी जनकल्याणकारी एवं आधारभूत विकास की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सरकारी कार्यालयों की कार्यक्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए मिशन कार्यक्रमों की शुरुआत की है। इसके जरिये कार्यालय विकसित भारत-विकसित राजस्थान के सपने को पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी एवं बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए राजलाल सेतु लिंक परियोजना जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि कर किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्जिंग राजस्थान ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देकर उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य में युवाओं को सरकारी नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स आर्थिक रूप से सशक्त एवं

आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर वीबी जी राम जी, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेयरी संबंधी कार्यों को प्रोत्साहन देने के साथ ही पशुपालकों के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हैं। राजीयिका के जरिये महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए आगामी 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन करने जा रही है। ग्राम विकास अधिकारी इस आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें विस्तृत रिपोर्ट बनाकर हर गांव और वार्ड के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार किया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि राजस्थान

को नम्बर वन स्टेट बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने ग्राम विकास अधिकारी केवट के हित में पदोन्नतियों के व्यवधान को दूर करने के साथ ही केंद्र के सुदृढीकरण की दिशा में वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सुजन भी किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से नियमित पदोन्नति देने एवं इसके पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने ग्रेजुटी की सीमा भी 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 में पदोन्नति और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया है, जो भविष्य में आवश्यक वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिकारी कर्मयोगी की भावना से रूढ़ बेस्ट से रोले बेस्ट कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे।

झालावाड़ के संतरे से बदलेगी किसानों की तस्वीर, पाउडर और कॉस्मेटिक उत्पादों से मिलेगा दोहरा लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। झालावाड़ जिले में संतरे की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत और अवसर की बड़ी खबर है। जिले में अब संतरे की पैदावार केवल ताजे फल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका उपयोग पाउडर और अन्य कॉस्मेटिक उत्पादों में भी किया जाएगा। इससे किसानों को उपज का बेहतर दाम मिलने के साथ अतिरिक्त आय के नए रास्ते खुलेंगे। झालावाड़ जिले के संतरा एक्सप्लॉरेशन सेंटर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संतरे का पाउडर बनाने का कार्य आने वाले सीजन तक शुरू किया जाएगा। इस पहल से संतरे के जूस, छिलका और पल्प का भी उपयोग संभव होगा। इससे किसानों को मेहनत का दोहरा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, संतरे से तैयार होने वाला पाउडर आंगनिक होगा, जिसके कारण



बाजार में इसकी अच्छी कीमत मिलने की उम्मीद है। किसान अपने स्तर पर छोटी यूनिट लगाकर भी पाउडर तैयार कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अनुदान भी दिया जाएगा। गुणवत्ता के कारण खाड़ी देशों तक पहचान बना चुके झालावाड़ के संतरे का अब स्थानीय स्तर पर कई प्रकार से उपयोग होने से किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही बाजार में मांग बढ़ने से बगीचों का क्षेत्रफल भी बढ़ सकता है, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। झालावाड़ जिले में करीब 24,500 हेक्टेयर क्षेत्र में संतरे की खेती होती है।

सालाना उत्पादन लगभग 3 लाख मीट्रिक टन बताया गया है, जबकि औसत उत्पादकता 12.5 टन प्रति हेक्टेयर है। जलयु और ब्लैक कॉटन मिट्टी के कारण यहां के संतरे की गुणवत्ता बेहतर मानी जाती है। इसकी मांग देशभर में बनी रहती है, जबकि निर्यात बांग्लादेश और नेपाल तक होता है। राजस्थान में संतरा उत्पादन में झालावाड़ को पहले स्थान पर बताया जाता है। यहां 10 से अधिक किसानों के संतरे उगाए जाते हैं, जिनमें नागपुरी किस्म की सबसे ज्यादा मांग है। संतरे का उपयोग केवल फल के रूप में ही नहीं, बल्कि संतरा बर्फी, कैंडी, आइसक्रीम, चॉकलेट, केक और संतरा फ्लेवर वाले रसजुबे में भी किया जाता है। इसके अलावा फेस पैक, स्क्रब और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में इसे नेचुरल बड़ेगी। साथ ही बाजार में मांग बढ़ने से बगीचों का क्षेत्रफल भी बढ़ सकता है, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। झालावाड़ जिले में करीब 24,500 हेक्टेयर क्षेत्र में संतरे की खेती होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नोएडा में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा में अलग-अलग घटनाओं में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।
उसने बताया कि सेक्टर 39 थानाक्षेत्र में सेक्टर 107 की एक सोसाइटी में एक कंपनी के निदेशक ने कथित रूप से 22 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया।
सेक्टर 39 के थाना प्रभारी निरीक्षक डी पी शुक्ल ने बताया कि 22वीं मंजिल पर अपने परिवार के साथ रह रहे सजल मेहरोत्रा (37) ने रविवार को नीचे छलांग लगा दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई।
उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और परिचितों से पूछताछ कर पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की।

प्रधानमंत्री ने मनुआ समुदाय के मुख्य मंदिर, कोलकाता के टनठनिया काली मंदिर में प्रार्थना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में जोरदार चुनाव प्रचार के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ठाकुरनगर में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मनुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक टनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की।
शाम को उत्तरी कोलकाता में रोड शो में भाग लेने से पहले, प्रधानमंत्री कोलकाता के मध्य में स्थित 300 वर्ष से अधिक पुराने टनठनिया कालीबाड़ी गए। उन्होंने पास के एक स्टाॅल से पूजा की सामग्री खरीदी और उसे मंदिर की



अधिष्ठाता देवी, मां सिद्धेश्वरी, जो देवी काली का एक रूप हैं, को अर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए।
उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, इस मंदिर की स्थापना

1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था।
इससे पहले मोदी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मनुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में अपनी चुनावी रैली से पहले पूजा-अर्चना

की। मनुआ समुदाय के गढ़ में उनकी यात्रा को इस समुदाय के मतदाताओं तक पहुंचाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मनुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर

प्रभावित करते हैं। ठाकुरबाड़ी में इस संप्रदाय के संस्थापकों हरिचंद्र और गुरुचंद्र ठाकुर के मंदिर स्थित हैं।
उनके समर्थन ने 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के मजबूत प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हरिचंद्र ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मनुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्ध समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।
मोदी 2019 में भी ठाकुरनगर मंदिर गए थे और 2021 में बांग्लादेश के ओराकंडी भी गए थे। प्रधानमंत्री ने रविवार को दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया, और फिर राजधानी शहर के उत्तरी भाग में लगभग दो किलोमीटर का रोड शो किया।



टीएमसी सरकार राज्य सचिवालय से नहीं चलती, बल्कि इसे पार्टी के संरक्षित अपराधी चला रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आरामबाग (प. बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तुणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित गुंडों और अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है। चुनाव प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले, हुगली जिले के आरामबाग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार चलाने के लिए टीएमसी की 'असामाजिक तत्वों पर निर्भरता'

के कारण अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है।
मोदी ने कहा, 'टीएमसी की 'निर्मम सरकार' नवाज (राज्य सचिवालय) से नहीं चलती। इसे गुंडे और अपराधी चलाते हैं, और सरकार को पार्टी पर लाने के लिए उच्च न्यायालय और देश की शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी है।' उन्होंने वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में केंद्र की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के कार्यान्वयन को मंजूरी दी जाएगी।

मवानीपुर : ममता के राजनीतिक गढ़ में शुभेंद्रु अधिकारी के मैदान में उतरने से मुकाबला रोमांचक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजनीति में, भवानीपुर अब महज दक्षिण कोलकाता की एक साधारण विधानसभा सीट नहीं रह गई है, बल्कि तुणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का गढ़ माने जाने वाले इस सीट से भाजपा ने विपक्ष के नेता शुभेंद्रु अधिकारी को मैदान में उतारकर मुकाबला रोमांचक बना दिया है।
भाजपा ने इस सीट को 'मनोवैज्ञानिक युद्धक्षेत्र' में पेश किया है, जहां उस चुनावी मुकाबले की नींव रखी जा रही है, जिसे बंगाल में कई लोग 'सबसे बड़ा मुकाबला' कह रहे हैं।
मुख्यमंत्री और इस निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार की विधायक बनर्जी का सीधा मुकाबला विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंद्रु अधिकारी से है, जिसके चलते 29 अप्रैल के चुनाव ने भवानीपुर को



राज्य की सबसे चर्चित 'प्रतिष्ठा की लड़ाई' में बदल दिया है। ममता बनर्जी के करीबी समझे जाने वाले शुभेंद्रु ने 2021 में तुणमूल छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था और उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में नंदीग्राम सीट पर बनर्जी को हराया था। पांच साल बाद, अब यह चुनावी मुकाबला बनर्जी के गढ़ में हो रहा है। तुणमूल कांग्रेस के लिए, भवानीपुर सीट बरकरार रखना मुख्यमंत्री के अपने ही क्षेत्र में उनकी राजनीतिक सत्ता को बरकरार रखने जैसा है। भाजपा के लिए, इसे भेदना बंगाल की सबसे शक्तिशाली नेता के इंग्लैंड-गिर्द बनी 'अजेय' की छवि को तोड़ने जैसा होगा। कोलकाता



नगर निगम के आठ वार्ड में फैला भवानीपुर अक्सर 'मिनी इंडिया' कहलाता है, एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र जहां बंगाली, गुजराती व्यापारी, पंजाबी और सिख परिवार, मारवाड़ी और जैन परिवार, साथ ही बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता रहते हैं। बिहार, ओडिशा और झारखंड से आए प्रवासी इस सामाजिक विविधता में एक और आयाम जोड़ते हैं। भवानीपुर में लगभग 42 प्रतिशत मतदाता बंगाली हिंदू हैं, 34 प्रतिशत गैर-बंगाली हिंदू और लगभग 24 प्रतिशत मुस्लिम हैं, जो इस निर्वाचन क्षेत्र को सामाजिक रूप से विविध और राजनीतिक रूप से संवेदनशील बनाते हैं। ऐसा लगता है कि इसी समीकरण ने अधिकारी को बनर्जी को उनके गृह क्षेत्र में चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित किया है। भाजपा ने महीनों से भवानीपुर में बूथ-दर-बूथ का आंकड़ा तैयार किया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि मतदाताओं में कार्यस्थ 26.2 प्रतिशत, मुस्लिम 24.5 प्रतिशत, पूर्वी भारत का प्रवासी समुदाय 14.9 प्रतिशत, मारवाड़ी 10.4 प्रतिशत और ब्राह्मण 7.6 प्रतिशत हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस कयाद से यह पता लगाने में मदद मिली कि बंगाली हिंदू बहुसंख्यक क्षेत्र कौन से हैं, हिंदी भाषी व्यापारी समुदाय कहां केंद्रित हैं और किन बूथ पर मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव रहने की संभावना है। कोलकाता के महापौर और टीएमसी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा, 'यह सिर्फ एक साधारण सीट नहीं है। यहां के लोग ममता बनर्जी की विकास और समावेशिता की राजनीति का बार-बार समर्थन करते रहे हैं।'

जगन्नाथ स्थापना के दौरान भीड़भाड़ को रोकने के लिए ओडिशा सरकार कम 'कोर्डन पास' जारी करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने स्थापना के दौरान रथों के पास मद्दालुओं की भीड़भाड़ को रोकने के लिए इस वर्ष कम 'कोर्डन पास' जारी करने का निर्णय किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
पिछले साल पुरी में रथ यात्रा के दौरान तीन लोगों की मौत की घटना के मद्देनजर, मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के चारों ओर बने आंतरिक घेरे में प्रवेश करने के लिए 'कोर्डन पास' जारी किए जाते हैं। ये पास अनुष्ठानों या सुरक्षा कार्यों में लगे लोगों को ही जारी किए जाते हैं। 16 जुलाई से शुरू होने वाली रथ यात्रा के लिए लाखों मद्दालुओं के संभावित जमावड़े को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, अनुष्ठानों, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, स्वच्छता व साजोसामान से संबंधित व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य में 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत करेगी।
नदिया जिले के तेहड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में

बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत करेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ही मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का सफाया कर दिया है। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनाव में 110 सीटें जीत ली हैं।' शाह ने कहा, 'अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो यहां 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत हो जाएगा। मतदान करने से न उबरें, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त व्यवस्था की है। कोई भी आपको वोट डालने से नहीं रोक पाएगा।' उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह 'राज्य में छिपे घुसपैठियों' की

पहचान करेगी और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेगी।
भाजपा के वरिष्ठ नेता को कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ के बावजूद अचानक हुई भारी बारिश के कारण अपना भाषण छोटा करना पड़ा।
बाद में, जिले के राणाघाट में एक अन्य रैली में शाह ने आरोप लगाया कि अधिकांश मवेशी तस्करी नदिया के रास्ते होती है। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के बाद, हम मवेशी तस्करी रोकने के लिए एक विशेष दस्ता गठित करेंगे।'

भाजपा अग्नी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, हमारा पूरा समर्थन : पांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव अविनाश पांडे ने रविवार को कहा कि भाजपा अभी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, उसमें हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन दिखावा मत करे। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के विचार विभाग की ओर से 'महिला आरक्षण अधिनियम: सम्मान या छलावा' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रदेश भर से सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं।
पांडे ने इस मौके पर कहा, महिलाएं बराबर ही हकदार हैं। कांग्रेस ने शुरू से महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनाना सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम था। उन्होंने कहा, 2023 में महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस के समर्थन से पास हुआ, लेकिन भाजपा उससे लागू नहीं कर रही है। भाजपा अभी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन दिखावा मत करे, जनता सब जानती है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, 'हम महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ेंगे। जो अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सका, वह देश की महिलाओं को क्या सम्मान देगा?'
राय ने कहा कि बीएचएम में छात्रा से दुष्कर्म करने वाले भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत भाजपा विधायकों ने किया, ये महिला सम्मान के नाम पर खिलवाड़ कर रहे हैं।



उत्तर प्रदेश पुलिस 2017 से पहले संकट में थी, अब देश का बेहतरीन पुलिस बल : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले जो पुलिस स्वयं संकट में थी, वह अब देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में सत्ता के सामने माफिया का राज नहीं चलता।
यहां रिजर्व पुलिस लाइंस में 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित करते हुए

उलना ही संवेदनशील होना चाहिए।
उन्होंने भरोसा जताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के साथ आरक्षी उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत परेड में शामिल महिला पुलिसकर्मीयों को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा, 'बेटियों ने मजबूती, तत्परता और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण पूरा किया, यह सराहनीय है।'
योगी ने कहा, 'प्रशिक्षण में जितना परीना बहेगा, बाद में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आएगी। पुलिस की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन है।'

महाराजगंज में 327 किलो गांजा बरामद, वाराणसी एवं इटावा में भी गांजा जब्त, छह लोग गिरफ्तार
महाराजगंज/वाराणसी/इटावा (उप्र)/भाषा। उप्र के महाराजगंज, वाराणसी व इटावा में गांजा बरामद कर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि महाराजगंज जिले में भारत-नेपाल सीमा के पास सशस्त्र सीमा बल ने 327.17 किग्रा गांजा बरामद किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20 करोड़ रूप. से अधिक है।
पुलिस के अनुसार वाराणसी में एक तरकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा तथा इटावा जिले में चार गांजा तरकरों को गिरफ्तार कर उसके पास से गांजा बरामद किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तीनों जिलों से छह तरकरों को गिरफ्तार कर 20 करोड़ 80 लाख रूपए से अधिक कीमत का अवैध गांजा बरामद किया। एएसबी के सहायक कमांडेंट दिनेश चंद्र बिस्वास ने बताया कि एक सूचना के आधार पर महाराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर टीएम के गोपालपुर थानाक्षेत्र के रणजीत गिरी (37) को गिरफ्तार किया गया तथा उसके ट्रक से गांजे के 21 बंडल बरामद किए।

तस्कर गिरफ्तार : डेढ़ करोड़ रूपए की चरस बरामद

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले के रुपईडीहा क्षेत्र में 'एटी नारकोटिक्स टारक फोर्स' (एएनटीएफ) और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार सुबह एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब डेढ़ करोड़ रूपए मूल्य की चरस बरामद की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।
पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने रविवार को संवाददाताओं से बताया कि एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि रुपईडीहा थाना क्षेत्र के जमुनहा गांव का 40 वर्षीय इस्माइल नेपाल से तरकरी कर मादक पदार्थ लाता है और भारतीय क्षेत्र में उसका धंधा करता है। उन्होंने बताया कि इस सूचना के आधार पर एएनटीएफ तथा सीमावर्ती रुपईडीहा थाने की संयुक्त टीम ने नेपाल से चकिया गांव जाने वाली सड़क पर स्थित मोबाइल रिपेयरिंग की एक दुकान पर छापा मारा तथा दुकानदार इस्माइल के पास से छह किलो 770 ग्राम चरस बरामद की गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रूपए है। उन्होंने बताया कि अभिक्रम से पूछताछ में बताया कि वह चरस नेपाल के बांके जिले से तरकरी कर लाता है एवं भारत में बेचता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वायत्त औद्योगिक और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके उससे पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।



सुदर्शन का अर्धशतक, गुजरात ने सीएसके को आठ विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आठ विकेट से शिकस्त दी।
गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रणुराज गाँयकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम सात विकेट पर 158 रन ही बना



सकी। गुजरात टाइटन्स के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि अश्विन खान को 43 रन देकर दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक एक

विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छके) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन

बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई। सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छके) ने अच्छी शुरुआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पिछले मैच में सुदर्शन के शतक के बाद बावजूद गुजरात टाइटन्स को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब स्कोर इतना बढ़ा नहीं था जिससे गुजरात टाइटन्स ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए हैं जिससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

गाजीपुर कांड पर अखिलेश बोले- 'बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के एक गांव में गंगा नदी के पुल के नीचे नाबालिग लड़की का शव मिलने के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे हाथरस कांड का दोहराव करार दिया।
पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने रविवार को 'एक्स' पर लड़की के पिता के बयान का वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया, 'बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता। उत्तर प्रदेश ने इतना कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा, जो घोर अत्याचार के शिकार गरीब-बेबस पीड़ितों पर दबाव डालकर बयान बदलवाते हैं।'
यादव के बयान पर प्रदेश भाजपा के सह संपर्क प्रमुख और गाजीपुर निवासी नवीन श्रीवास्तव ने 'एक्स' पर पलटवार करते हुए लिखा, 'भैयाजी, आपको प्रशासन पर भरोसा नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भरोसा नहीं, पीड़िता के पिता पर भरोसा नहीं। आपको सिर्फ बांटने की कुत्सित राजनीति पर भरोसा है।'
सपा प्रमुख द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में लड़की के पिता कह रहे हैं, 'प्रधानजी हमें गाली देते हुए कह रहे हैं कि हमारी तीन रूपए की औकात नहीं है, हमने उसे (बेटी को) 30 हजार रूपए का मोबाइल दिलावा दिया। प्रधान ने हमसे कहा, उस दिन नहीं सोचा कि लड़की हमारी क्या करेगी।' प्रधान का नाम लेते हुए पिता ने कहा, 'वह पूरी तरह हमारे खिलाफ हैं। उन्होंने पथराव भी कराया। हमको बताने में एसओ साहब पीटे गए। सपा प्रमुख ने इस पोस्ट के जरिए पांच सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा, 'प्राथमिकी



दर्ज करने में इतनी देर क्यों हुई? बातें क्यों बदलवाई गई? पीड़ित परिवार को 2020 की उन्पीड़ित क्यों किया जा रहा है? पुलिस पर पथराव करने वाले चरकसवाहियों के खिलाफ कार्रवाई से किसने रोका? और पोस्टमार्टम पर सवालिया निशान क्यों लगा?'
अखिलेश ने कहा, 'सच तो यह है कि सबको सच मानूँ। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट कुछ भी कहे, गांव के हर घर को जमीनी सदाई मालूम है। सब जानते हैं हुआ क्या है और कहलवाया क्या जा रहा है। इससे गांव के हर समुदाय में भाजपा के झूठ की बात पहुंच गई है। इससे पीडीए समाज में बहुत गुरसा और आक्रोश है।'
यादव ने कहा कि गाजीपुर की बेटी का हत्याकांड हाथरस के बेटी के हत्याकांड का दोहराव है तथा इन दोनों में एक बात समान है कि पीड़ितों के परिवार 'पीडीए परिवार' थे और उन्पीड़क चरकसवादी थे। हाथरस जिले में 14 सितंबर 2020 की सुबह लड़की अपनी मां के साथ मवेशियों के लिए घारा लेने खेतों की तरफ जा रही थी, तभी आरोपियों ने कथित तौर पर उसे पकड़ लिया और सामूहिक दुष्कर्म किया। बाद में 29 सितंबर को नई दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। इस मामले ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया था। हालांकि अब अदालत का फैसला आ चुका है जिसमें सिर्फ एक ही आरोपी को दोषी करार दिया गया।

सुविचार

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है, पर उससे भी जरूरी है, अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेना और आगे बढ़ना जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आत्मनिर्भरता का व्यापक संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 133वीं कड़ी में भारत की शक्ति एवं सामर्थ्य का उल्लेख कर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहले, वैज्ञानिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना होगा। यह सुखद है कि भारत के वैज्ञानिकों ने सिविल परमाणु कार्यक्रम में बहुत उन्नति की है। इसका लाभ हर क्षेत्र को मिल रहा है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलिटी हासिल किए जाने की घटना देश की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि परमाणु रिएक्टर को बनाने में स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पूर्व में जब भारत ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था, तब पश्चिमी देश इसे संदेह की दृष्टि से देखते थे। उन्होंने देश पर कई प्रतिबंध लगाकर शांतिपूर्ण कार्यक्रम के रास्ते में बाधा पैदा करने की कोशिश की थी। आज भारत अपने वैज्ञानिकों के ज्ञान और दृढ़ निश्चय के बल पर उस मुकाम तक पहुंच गया है, जहां परमाणु संयंत्र ऊर्जा के उत्पादन के साथ भविष्य के लिए नया ईंधन खुद ही तैयार कर लेगा। भारत के पास ऊर्जा के अनेक स्रोत हैं। उनका विवेकपूर्वक इस्तेमाल करने की जरूरत है। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ते कदम इस बात के साक्ष्य हैं कि देश भविष्य में नए कीर्तिमान बनाकर दुनिया को अचंभित कर सकता है। देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावाट का आंकड़ा पार कर चुकी है। हमें और आगे बढ़ना है। गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्य इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जिन इलाकों में पवन ऊर्जा उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं, उन्हें विद्वित कर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

बांस को पेड़ की श्रेणी से बाहर किए जाने के सुखद परिणाम दिखाई देने लगे हैं। उत्तर-पूर्व के राज्यों में बांस बहुत उगाता है। साल 2017 में कानून में बदलाव किए जाने के बाद बांस आधारित उद्योग-धंधों को काफी बढ़ावा मिला है। यह एक अद्भुत पौधा है, जिसमें अपार संभावनाएं छिपी हैं। इससे कुर्सी, मेज, बेड, सोफा, अलमारी, सजावटी सामान, टोकरा, ट्रे, डिब्बे, फूलदान, बांसुरी समेत दर्जनों चीजें बनाई जा सकती हैं। यह पौधा पर्यावरण और हमारी सेहत, दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। हाल के वर्षों में बांस की बोटल बहुत लोकप्रिय हुई है। इसके पानी में विभिन्न औषधीय गुणों का समावेश हो जाता है। अगर युवाओं को बांस की बोटल और बर्तन बनाने का प्रशिक्षण दिया जाए तो उनके लिए रोजगार के कई अवसर पैदा हो सकते हैं। पिछले कुछ दशकों में प्लास्टिक की वजह से पर्यावरण के लिए कई चुनौतियां पैदा हो गई हैं। उनके मद्देनजर बांस एक पक्का विकल्प बन सकता है। भारत के पास खान-पान संबंधी चीजों का अपार भंडार है। यहां दूध से बनने वाली 'चीज' का स्वाद दुनियाभर में मशहूर हो रहा है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कई किस्म की चीज का उल्लेख कर इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत का डेयरी क्षेत्र स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों से मालामाल है। जम्मू-कश्मीर की कलारी चीज और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश एवं लद्दाख की छुरपी को हर घर में पहुंचाना चाहिए। भारतीय कंपनियों को इस क्षेत्र में निवेश करना चाहिए। जो विदेशी पर्यटक यहां आए, उनके सामने उस इलाके में बनने वाली चीज पेश करनी चाहिए। इससे काफी प्रचार हो जाएगा और विदेशों में मांग बढ़ेगी। इसके अलावा दूध से बनने वाले कई उत्पाद हैं, जिनका देश-दुनिया में प्रचार होना चाहिए। डेयरी क्षेत्र रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा करने की क्षमता रखता है। हमें इस क्षमता को पहचानने और उसके अनुसार काम करने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

आज माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितीन नवीन के जयपुर आगमन की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष हरी झंडी दिखाकर 'ग्राम (रथ)' को रवाना करेंगे।

-भजनलाल शर्मा

सिविल लाइंस ऑफिस में हमने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' प्रोग्राम के 133वें एडिशन को अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता के साथ लाइव सुना और सेवा, इनोवेशन और जनकल्याण से भरपूर उनका प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

-दिया कुमारी

ओलंपियाड और हैकथॉन का कल्चर भारत के युवाओं में बहुत पॉपुलर हो रहा है। फ्रांस में यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में हमारी युवा लड़कियों की सफलता के बारे में बात की। आने वाले समय में और भी युवा अलग-अलग ओलंपियाड और हैकथॉन में हिस्सा लेंगे।

-नरेंद्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सहजता की जीत

एक बार चीन के राजा ने महान दार्शनिक लाओत्से की बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर उन्हें अपने राज्य में उच्च पद देने का निश्चय किया। राजा ने दूतों को भेजा। दूत जब पहुंचे, तो उन्होंने देखा लाओत्से नदी के किनारे खड़े शांत भाव से बहते जल को निहार रहे हैं। दूतों ने संदेश सुनाया। लाओत्से मुस्कुराए। उन्होंने नदी की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या तुम देख सकते हो, यह पानी कैसे बहता है? दूतों ने कहा, हां, यह अपनी दिशा में बह रहा है। लाओत्से बोले, 'यह जल कभी किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, फिर भी सबसे आगे बहता है। यह किसी पहचान या पुरस्कार की इच्छा नहीं रखता, फिर भी सबका जीवन पोषित करता है। इसकी ताकत इसके सहज प्रवाह में है।' इतना कहकर उन्होंने एक सूखा पत्ता उठाया और नदी में डाल दिया। पत्ता बिना किसी संघर्ष के धारा के साथ बहने लगा। लाओत्से ने समझाया, 'जो व्यक्ति जीवन के प्रवाह के साथ चलना सीख जाता है, वह सबसे अधिक दूर तक पहुंचता है। जो हर चीज को पकड़ने की कोशिश करता है, वही बंध जाता है; और जो छोड़ना सीख लेता है, वही सच में स्वतंत्र होता है।'

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. (*Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Reg. No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वार्निक, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उद्योगों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वादा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह जिम्मेदार नहीं है। दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामयिक

लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

राघव चड्ढा का हालिया राजनीतिक निर्णय केवल संसदीय गलियों या राजनीतिक दलों के बीच की एक साधारण घटना नहीं है बल्कि इसने अंतर्जाल की आभासी दुनिया में भी अत्यंत गहरा और अभूतपूर्व प्रभाव छोड़ा है। आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में उनका सम्मिलित होना एक सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम की तरह प्रतीत हो सकता था परंतु कुछ ही घंटों के भीतर इसने सामाजिक संवाद के माध्यमों पर एक बड़े वैचारिक और संख्यात्मक बदलाव को जन्म दे दिया। विशेष रूप से छायाचित्र साझा करने वाले प्रमुख वैश्विक मंच पर उनके अनुगामियों की संख्या में आई आकस्मिक गिरावट ने इस तथ्य को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान समय में राजनीति केवल विचारधारा या चुनावी कूटनीति तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह सीधे तौर पर जनता की संवेदनाओं और उनकी तत्काल आभासी प्रतिक्रियाओं से जुड़ गई है। उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि जिस दिन उन्होंने अपने राजनीतिक दल के परिवर्तन की सार्वजनिक घोषणा की थी उस समय उनके व्यक्तिगत खाते पर लगभग 14.6 मिलियन अनुगामी उपस्थित थे। इस घोषणा के मात्र 24 घंटों के भीतर यह संख्या तीव्रता से घटकर लगभग 13.3 मिलियन से 13.5 मिलियन के मध्य पहुंच गई। इसका प्रत्यक्ष अर्थ यह है कि लगभग 10 लाख से 11 लाख लोगों ने अत्यंत अल्प समय में उन्हें अनुगामित कर दिया। आंकड़ों में आई यह भारी गिरावट केवल गणितीय अंकों का खेल नहीं है बल्कि यह उस तीव्र भावनात्मक प्रतिक्रिया और रोष को दर्शाती है जो जनता के समर्थकों के मध्य उत्पन्न हुई।

यह घटना इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि राजघरना की छवि लंबे समय से एक ऐसे युवा राजनेता की रही है जो पारंपरिक और रुढ़िवादी राजनीति की परिधि से बाहर दिखाई देते थे। उनकी पहचान केवल एक सांसद के रूप में स्थापित नहीं थी बल्कि वे एक ऐसे सार्वजनिक चेहरे के रूप में उभरे थे जिसने निरंतर युवाओं के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया। उन्होंने अस्थायी सेवा कर्मियों, वितरण कर्मचारियों, पितृत्व अवकाश और तीव्र वितरण सेवाओं जैसे समकालीन विषयों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का सफल प्रयास किया था। यही प्रमुख कारण था कि उनके अनुगामियों में बहुत बड़ी संख्या उस युवा वर्ग की थी जिसे प्रया: नई पीढ़ी या आधुनिक युग की संतति कहा जाता है। परंतु जैसे ही उन्होंने अपनी राजनीतिक दिशा और निष्ठा को बदलने का निर्णय लिया उसी वर्ग की प्रतिक्रिया सबसे अधिक प्रखर और तीखी दिखाई दी। सामाजिक संवाद के मंचों पर अचानक एक संगठित अनुगामी अभियान प्रारंभ हो गया जिसमें सहस्रों नहीं अपितु लाखों लोगों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी दर्ज की।



इस अभियान ने वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध कर दिया कि आभासी मंचों पर मिलने वाला चुनसमर्थन अत्यंत अस्थिर हो सकता है और वह क्षण भर में विपरीत दिशा में मुड़ सकता है। जो लोग पूर्व में उनके समर्थन में सक्रिय थे वही लोग कुछ ही घंटों के भीतर उनके विरोध में खड़े दिखाई देने लगे।

इस संपूर्ण घटनाक्रम को गहराई से समझने

कि उन्होंने अपने आधिकारिक खातों से पूर्व में किए गए आलोचनात्मक लेखों को या तो पूरी तरह हटा दिया या उनकी संख्या कम कर दी। इस गतिविधि से जनमानस में यह धारणा सुदृढ़ हुई कि उनकी आभासी छवि को नए राजनीतिक वातावरण और नई पार्टी की नीतियों के अनुरूप ढाला जा रहा है। इस प्रकार की गतिविधियों ने आलोचना की अग्नि में घी डालने का कार्य किया

यह संपूर्ण घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की कथा नहीं है बल्कि यह आधुनिक राजनीति के परिवर्तित होते हुए व्याकरण का एक सटीक उदाहरण है। यह इस तथ्य को रेखांकित करती है कि आज का मतदाता और नागरिक केवल मतदान दिवस पर ही सक्रिय नहीं होता बल्कि वह राजनेता के प्रत्येक निर्णय और गतिविधि पर सूक्ष्म धृष्टि रखता है और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि राघव चड्ढा के अनुगामियों में आई यह भारी कमी एक प्रतीक के रूप में कार्य करती है जो हमें यह चेतावनी देती है कि इस तीव्र गति वाले युग में राजनीति कितनी चंचल और अनिश्चित हो गई है।

हेतु यह देखना अनिवार्य है कि सामाजिक संवाद के ये आधुनिक माध्यम आज केवल मनोरंजन या सूचना के स्रोत नहीं रह गए हैं। ये अब एक प्रकार के तत्काल जनमत संग्रह के केंद्र बन चुके हैं जहाँ साधारण जन अपनी राय को तुरंत और प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। पूर्व के समय में जहाँ किसी राजनेता की लोकप्रियता का आकलन केवल चुनाव परिणामों, जनसभाओं की भीड़ या मतपेटियों से किया जाता था वहीं अब अनुगामियों की संख्या और उन पर प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाएँ भी लोकप्रियता का एक अपरिहार्य मापदंड बन गई हैं। राघव चड्ढा के प्रकरण में यह विषय भी चर्चा का केंद्र बना कि उनके पुराने आभासी संदेशों और लेखों में कुछ संवाद या परिवर्तन किए गए। कुछ समाचार रिपोर्टों में यह तथ्य उभरकर सामने आया

क्योंकि उनके राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों ने इसे एक शुद्ध अवसरवादी कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और उल्लेखनीय पक्ष यह है कि यह प्रतिक्रिया केवल सामान्य उपयोगकर्ताओं तक ही सीमित नहीं रही बल्कि कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और सार्वजनिक जीवन के प्रभावशाली लोगों ने भी उन्हें अनुगामित करने का निर्णय लिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह आक्रोश केवल व्यक्तिगत या भावनात्मक स्तर पर नहीं था बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और वैश्विक प्रतिक्रिया थी जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग सम्मिलित थे। राजनीति के विशेषज्ञों का यह तर्क है कि इस घटना के पीछे केवल एक दल बदलने का निर्णय नहीं है बल्कि उस निर्णय

नजरिया

गर्म हवाओं से तप रहा है देश



हवाएं गर्म या आवारा हो जाने का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाशीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, परंतु वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है। सच्चाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती, तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता।

गोला कहने लगते हैं। मौसम की इस असहनीय विलक्षण दशा में नमी भी समाहित हो जाती है। यही सर्द-गर्म थपड़े लू की पीड़ा और रोग का कारण बन जाते हैं। किसी भी क्षेत्र का औसत तापमान, किस मौसम में कितना होगा, इसकी गणना एवं मूल्यांकन पिछले 30 साल के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। वायुमंडल में गर्म हवाएं आमतौर से क्षेत्र विशेष में अधिक दबाव की वजह से उत्पन्न होती हैं। जैसे तेज गर्मी और लू पर्यावरण और बारिश के लिए अच्छी होती है। अच्छा मानसून इन्हें आवारा हवाओं का पर्याय माना जाता है, क्योंकि

तपिश और बारिश में गहरा अंतर्संबंध है। धूप और लू के इस जानलेवा संयोग से कोई व्यक्ति पीड़ित हो जाता है, तो उसके लू उतारने के इंतजाम भी किए जाते हैं। दरअसल लू सीधे दिमागी गर्मी को बढ़ा देती है। अतएव इसे समय रहते ठंडा नहीं किया तो यह बिगड़ा अनुपात व्यक्ति को बौरा (पागल) भी सकता है। जैसे शरीर में प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने का काम मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस अर्थात् अदृश्य क्षेत्र करता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य पितृशु ग्रंथी के माध्यम से तंत्रिका तंत्र को अंतःस्रावी प्रक्रिया के माध्यम से

तापमान को संतुलित बनाए रखना होता है। इसे चिकित्साशास्त्र की भाषा में हाइपर-पैरेक्सिया कहते हैं। यानी शरीर के तापमान में असमान वृद्धि या अधिकतम बुखार का बढ़ जाना। इसकी चोट में बंधे और बुजुर्ग आसानी से आ जाते हैं। बाहरी तापमान जब शरीर के भीतरी तापमान को बढ़ा देता है, तो हाइपोथैलेमस तापमान को संतुलित बनाए रखने का काम नहीं कर पाता। नतीजतन शरीर के भीतर बढ़ गई अनावश्यक गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है, जो शरीर में लू का कारण बन जाती है। इस स्थिति में शरीर में कई जगह प्रोटीन जमने लगता है और शरीर के कई अंग एक साथ निष्क्रियता की स्थिति में आने लग जाते हैं। ऐसा शरीर में पानी की कमी यानी डी-हाइड्रेशन के कारण भी होता है।

हवाएं गर्म या आवारा हो जाने का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाशीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, परंतु वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है। सच्चाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती, तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता। हम धास भी नहीं ले पाते। पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु ये चारों तत्व आकाश से उर्जा लेकर ही क्रियाशील रहते हैं। ये सभी तत्व परस्पर परावलंबी हैं। यानी किसी एक तत्व का वजूद क्षीण होगा तो अन्य को भी क्षीण करने की इत्नी अवस्था से गुजरना होगा। प्रत्येक प्राणी के शरीर में आंतरिक स्फूर्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति आकाश तत्व से ही संभव होती है, इसलिए इसे ब्रह्मतत्व भी कहा गया है। अतएव प्राकृति के संरक्षण के लिए सुख के भौतिकवादी उपकरणों से मुक्ति की जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नृत्य कार्यक्रम में छात्रा के गले पड़ा मानव रोबोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीर्जिंग/भाषा। चीन में एक विश्वविद्यालय के नृत्य कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहे एक मानवाकार रोबोट ने अचानक एक छात्रा के करीब जाकर उसे गले लगा लिया, जिससे दर्शक चौंक गए। इसके बाद कर्मचारियों ने तुरंत उसे उससे दूर खींच लिया। चीन के शानक्वी प्रांत में स्थित विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का मीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। इस घटना के बाद चीन में सोशल मीडिया में इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या रोबोट ने अपने आप ऐसा व्यवहार करना सीखा या उसे उसके संचालक द्वारा नियंत्रित किया गया था। इस घटना ने विशेषज्ञों को सुरक्षा के बेहतर उपाय विकसित करने के लिए प्रेरित किया है क्योंकि चीन में सार्वजनिक कार्यक्रमों में रोबोट की भागीदारी

आम बात हो गई है, और सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में देश की बढ़ती शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए प्रयासरत है। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए एक कर्मचारी ने मीडिया को बताया कि रोबोट और छात्रों के एक क्लब के बीच संयुक्त प्रदर्शन परिसर की सांस्कृतिक गतिविधियों में नवाचार लाने का एक प्रयास था। सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को बताया कि घटना में शामिल छात्रा को कोई चोट नहीं आई और बाद में उसने मीडिया को साक्षात्कार देने से इनकार कर दिया। रोबोट के अप्रत्याशित व्यवहार ने ऑनलाइन चर्चा छेड़ दी है। कुछ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने सवाल उठाया कि क्या रोबोट ने स्वतंत्र चेतना विकसित कर ली है, जबकि अन्य ने पूछा कि क्या यह हरकत किसी ऑपरेटर द्वारा नियंत्रित थी या प्रदर्शन के हिस्से के रूप में पहले से तय की गई थी।

विश्वविद्यालय के एक कर्मचारी ने इस बात से इनकार किया कि यह हरकत पहले से तय थी और कहा, उस समय हमें जो समझ में आया, उसके आधार पर रोबोट ने गलती की। ग्लोबल टाइम्स अखबार के अनुसार, कर्मचारी ने बताया कि यह गलती एआई प्रोग्राम की खराबी के कारण हुई थी। प्रदर्शन में इस्तेमाल किया गया रोबोट एक पूर्व छात्र द्वारा स्थापित कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया गया था और कार्यक्रम के बाद उसे वापस कर दिया गया था। शांगयू न्यूज की खबर के अनुसार, विश्वविद्यालय ने बाद में कंपनी से संपर्क किया जिसने घटना का कारण कार्यक्रम स्थल पर सिग्नल में व्यवधान बताया। कंपनी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कई ड्रोन एक साथ चल रहे थे, जिससे सिग्नल बाधित हुए और रोबोट का व्यवहार असाधारण हो गया। कंपनी ने कहा कि यह पूर्व नियोजित नहीं था।

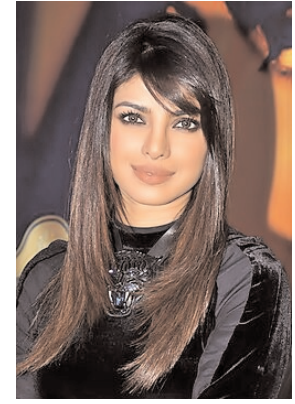
केंद्रीय मंत्री गोयल और न्यूजीलैंड के मंत्री ने अपनी पत्नियों के साथ ताजमहल के दीदार किए

आगरा (उप्र)/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के वाणिज्य मंत्री टॉड मैकले ने रविवार सुबह यहां अपनी पत्नियों के साथ ताजमहल का भ्रमण किया। भ्रमण के बाद गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड के मंत्री और उनकी पत्नी ताजमहल देखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि सोमवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले सामान पर कर नहीं लगेगा, जिससे आगरा के चमड़ा उद्योग समेत कई क्षेत्रों में नए अवसर खुलेंगे। विधानसभा चुनावों पर पूछे गए सवाल के जवाब में गोयल ने कहा कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में

लोगों में बदलाव की इच्छा है। राघव चड्ढा समेत सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली और पंजाब के लोगों को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों में आप सरकार में भ्रष्टाचार घरेलू पर पहुंच गया था, ऐसे में सांसदों को लगा कि आप के मूल्य और सिद्धांत खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आसपास सिर्फ भ्रष्टाचारी समूह रह गया है, इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ी। गोयल ने यह भी कहा, हो सकता है कि आगे और लोग भी पार्टी छोड़ें। आम आदमी पार्टी और उसके नेतृत्व ने लोगों की उम्मीदों की अनदेखी की है। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "आगरा में चमड़ा एवं जूता, आयुष्य, फार्मा, चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग और खेल सामग्री क्षेत्रों के उद्योगपतियों के साथ एक ज्ञानवर्धक सम्मेलन हुआ।

प्रियंका चोपड़ा को मिलेगा 'ग्लोबल वैगार्ड ऑनर'

मुंबई/एजेन्सी



अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। ग्लोबल हाउस द्वारा आयोजित 'ग्लोबल गाला 2026' में उन्हें प्रतिष्ठित ग्लोबल वैगार्ड ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में आयोजित होगा, जहां मनोरंजन और कला जगत की कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां मौजूद रहेंगी।

प्रियंका चोपड़ा ने बीते कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है। आने वाले समय में यह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

दिलजीत दोसांझ सिर्फ गायक नहीं, मनोरंजन का फुल पैकेज है: गीता बसरा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिन्टों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अर्वाञ्ज 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

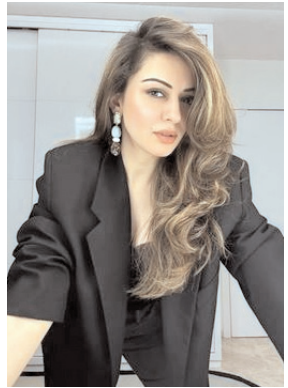
अभिनेत्री ने दिलजीत की खुबियां पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में जो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एक्टर हैं। वह कहीं कहीं सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं। गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूँ। दिलजीत दोसांझ का बुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है। दिलजीत की बात करें तो वे जल्द ही दर्शकों के लिए फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधुरी प्रेम कहानी है। इसमें वेदांग रैना, शरवरी वाघ और नसीरुद्दीन शाह अहम भूमिकाओं में हैं।



हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

चेन्नई/एजेन्सी

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही हैं। अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूँ कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल



बारीकियों को समझने का मौका मिला। हंसिका ने आगे कहा, यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी। उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाने समय में यह भी समझने की कोशिश कर रही थी कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।



एक्टर अनुपम खेर और बोमन ईरानी शनिवार को मुंबई में भारत में माइकल जैक्सन की विरासत के 30वें साल के जन्म में

गृहणियों को 'घर का सुपरस्टार' मानते हैं अक्षय कुमार

मुंबई/एजेन्सी



फिल्म इंडस्ट्री को हर जॉनर की एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने क्रिज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर गृहणियों पर फिल्म बनाने की मंशा जताई। अक्षय कुमार ने गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें 'घर का सुपरस्टार' का खिताब दिया। अभिनेता ने 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर यह घोषणा की। अक्षय कुमार इस शो के होस्ट हैं। शो के दौरान सेट पर 'तुम हो ना' नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। उन्होंने इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की। अक्षय ने कहा, बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूँ। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूँ कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए।

अभिनेता ने बताया कि घर संभालने वाली महिलाओं की अनदेखी मेहनत को वह बड़े पर्व पर लाना चाहते हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार होने के बावजूद अभी प्रोडक्शन और निर्देशक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उन्होंने गृहणियों की ताकत, जब्बे और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को फिल्म में दिखाने की इच्छा जताई। 'तुम हो ना' शो में इन प्रतियोगियों की यात्रा ठीक उसी विषय को छूती है जिसे अक्षय अपनी फिल्म में पेश करना चाहते हैं। उनकी यह बात दिल को छू लेने वाली रही और सेट पर मौजूद सभी लोगों ने उनकी इस सोच का समर्थन किया। अक्षय कुमार अब टेलीविजन पर भी सक्रिय हैं। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के पहले सीजन की सफलता के बाद वह शो के दूसरे सीजन को होस्ट कर रहे हैं, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है।



भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने रविवार को पूर्व बर्धमान जिले में पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन के दूसरे फेज से पहले, पूर्वस्थली उत्तर असेंबली सीट से पार्टी कैडिडेट गोपाल चट्टोपाध्याय के समर्थ में रोड शो किया।

'खलनायक रिटर्न्स': फिर से आ रहा 'बल्लू बलराम'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का एंटी-हीरो किरदार 'बल्लू बलराम' अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है। सुभाष घई ने मुका आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा, हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू 'खलनायक रिटर्न्स' के साथ वापस आ गए हैं। शुक्रवार को मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबसे खूब सराहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और



ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। 'बल्लू बलराम' का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म 'खलनायक' उस की मूल 'खलनायक' का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त

ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। 'बल्लू बलराम' का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म 'खलनायक' उस की मूल 'खलनायक' का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित, जैकी

श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। शुक्रवार को मुंबई में एक इवेंट के दौरान संजय दत्त ने घोषणा की कि उनकी कंपनी 'श्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीकवल के अधिकार खरीद लिए हैं। इवेंट में 'खलनायक रिटर्न्स' का छोटा टीजर भी रिलीज किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नजर आए। संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है। सुभाष के बिना यह मुमकिन नहीं था। वह एक लीजेंड हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे इस नई फिल्म का भी हिस्सा होंगे। नई फिल्म में उनके कल्ट क्लासिक गाने 'बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं बताई गई हैं।

सच्ची धुन और ईमानदारी से बना संगीत अपनी जगह बनाने में हमेशा सफल रहता है: डब्लू मलिक

मुंबई/एजेन्सी



संगीतकार डब्लू मलिक इन दिनों अपने रोमांटिक ट्रैक 'थोड़ी देर उठर' को लेकर चर्चा में हैं। आईएनएस के साथ खास बातचीत में उन्होंने आज के समय में बदलते संगीत के महत्व पर विचार साझा किए। डब्लू का मानना है कि संगीत को किसी एक दायरे में नहीं बांधा जा सकता है। संगीत हर इंसान के लिए अलग होता है, जैसे हर किसी का स्वाद अलग है, ठीक वैसे ही हर श्रोता अपनी पसंद के हिसाब से प्लेसिड चुनता है। कुछ लोगों को तेज और शोर-शराबे वाले संगीत पसंद आते हैं, तो कुछ सुकून और सादगी की तलाश में रहते हैं। हमारा गाना 'थोड़ी देर उठर' उन लोगों के लिए है, जो भावनाओं को धुन के जरिए महसूस करना चाहते हैं। डब्लू ने अपने नए गाने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए सादगी पर जोर

को नहीं छोड़ सकते, लेकिन आज की युवा पीढ़ी से जुड़ने के लिए वे नई साउंड तकनीक और आधुनिक स्टाइल को जरूर अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अगर धुन मधुर हो, तो उसे किसी भी आधुनिक तरीके से पेश किया जा सकता है। आज के रीमिक्स कल्चर पर डब्लू ने सकारात्मक नजरिया पेश करते हुए कहा, पुराने गाने इसलिए दोबारा बनाए जा रहे हैं क्योंकि उनकी मेलोडी बहुत शक्तिशाली थी। यह समय का एक चक्र है। आज जो गाने हिट हो रहे हैं, भविष्य में उनके भी रीमिक्स बनेंगे। संगीतकार ने कहा, वर्तमान में हर दिन लाखों गाने रिलीज हो रहे हैं, जिससे किसी भी गाने के लिए अपनी अलग पहचान बनाना कठिन हो गया है, लेकिन मुझे विश्वास है कि सच्ची धुन और ईमानदारी से बना संगीत अपनी जगह बनाने में हमेशा सफल रहता है। डब्लू ने आगे बातचीत में स्पष्ट किया कि वे अपनी मूल (मेलोडी)



राजराजेश्वरीनगर में आचार्य महाश्रमण के जन्मदिवस और पदाभिषेक दिवस पर हुआ उनका गुणगान

संत पुलकितमुनि व साध्वी पावनप्रभा के सांन्निध्य में हुआ कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता, महातपस्वी एवं युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के 65वें जन्मोत्सव एवं 17वें पद्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में 'आचार्य महाश्रमण अभ्यर्थना समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रातः 9 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति थी। नमस्कार महामंत्र से आरंभ हुए कार्यक्रम में कन्यामंडल द्वारा महाश्रमण अष्टकम द्वारा मंगलाचरण किया गया। आरआर नगर सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए इस कार्यक्रम में सांन्निध्य प्रदान करने हेतु मुनिश्री पुलकितकुमारजी व साध्वीश्री पावनप्रभाजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। सभा की उपाध्यक्ष सरोज बेद ने स्वरचित काव्य गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल उपाध्यक्ष ममता दुगड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आचार्यश्री महाश्रमणजी के तप, त्याग, अनुशासन एवं अहिंसा पर आधारित जीवन-दर्शन को समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।

युग के मार्गदर्शक हैं आचार्यश्री महाश्रमण : पुलकितमुनि

इस अवसर पर मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी ने कहा कि आचार्य श्री महाश्रमण जैन धर्म के प्रभावशाली आचार्य में से एक हैं। वे अध्यात्म के प्रबल उन्नयन एवं युग के मार्गदर्शक हैं। वे जन-जन को सतत जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। आचार्य श्री महाश्रमण जी को दो गुरुओं की कृपा एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनके जीवन की विशेषता रही कि उनका जन्म, दीक्षा और आचार्य पद तीनों ही राजस्थान के सरदारशहर में हुआ। मुनिश्री ने गुरुदेव के प्रति अभ्यर्थना करते हुए कहा कि आचार्यश्री महाश्रमणजी की अध्यात्मनिष्ठा, आज्ञानिष्ठा और संयमनिष्ठा विशिष्ट हैं, उससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके जन्म दिवस एवं पद्मोत्सव दिवस के उपलक्ष्य में हम सभी मंगलकामना करते हैं कि आचार्य श्री स्वस्थ रहते हुए दीर्घकाल तक नए-नए इतिहास का सृजन करते रहें।

मुनिश्री ने आचार्य महाश्रमण द्वारा की गई अहिंसा यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि आचार्य श्री ने पूरे

भारत एवं विदेश नेपाल की धरती पर पदयात्रा करते हुए अभी तक लगभग 60000 किलोमीटर पैदल चल चुके हैं। अहिंसा यात्रा के अंतर्गत एक करोड़ से अधिक लोगों को नशा मुक्ति एवं सद्भावना का संकल्प करवाया है। ऐसे अध्यात्म निष्ठ महान गुरु को प्राप्त करके हम धन्यता का अनुभव कर रहे हैं।

आचार्यश्री का संदेश मानवता के लिए मार्गदर्शक है : साध्वी पावनप्रभा

साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में आचार्यश्री के जीवन मूल्यों संयम, नैतिकता एवं आत्मविजय को अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आचार्य महाश्रमणजी सत्य पुरुष के रूप में विख्यात हैं। वे एक वचन सिद्ध महापुरुष हैं। उनकी अध्यात्मयोगिता हम सबके लिए प्रेरणादायी हैं। आचार्य महाश्रमण जी पवित्रता एवं तेजस्विता के मूर्त रूप हैं। वर्तमान युग में आचार्यश्री का संदेश मानवता के लिए मार्गदर्शक है। नधिकेता मुनि आदित्य कुमारजी ने महाश्रमण अभिनंदन गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिराया उपस्थित थे।

अनेक श्रद्धालुओं ने किया गुरुदेव का गुणगान

विशिष्ट अतिथि टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मंडोत, अभातेमम की सहमंत्री मधु कटारिया, अभातेयुप के संगठन मंत्री रोहित कोठारी एवं अणुव्रत सोसायटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, सीपीएस प्रशिक्षक दिनेश मरोठी ने भी अपने विचार रखते हुए आचार्यश्री के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, आरआर नगर सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, बहादुरसिंह सेठिया अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, ज्ञानशाला के आंचलिक प्रभारी माणकचंद संचेरी, समण संस्कृति संकाय के दक्षिण कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़, हैदराबाद की सरोज भंडारी, अभातेमम से रुचिका पटावरी, विजयनगर के सभाध्यक्ष मंगल कोचर, हनुमंतनगर से गौतम दक, 12 व्रत प्रकल्प का

सहयोगियों का किया गया सम्मान

आयोजन सहयोगी गुरु पुणवानी प्रॉपर्टीज के हनुमानमल, संजय-प्रेम, मनोज-शशि, संभव, विनीत, हंसिका, दीक्षाता बैद परिवार का सम्मान स्मृतिचिह्न भेंट कर किया गया। साध्वीवृंद और महिलामण्डल द्वारा संयुक्त रूप से आचार्यव्रत की जीवनयात्रा को अत्यंत रोचक, काव्यात्मक एवं प्रशस्तक शैली में संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया। गुलाब बाँटिया और देवेन्द्र नाहटा ने भी विशेष अंदाज में गीत द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन साध्वी रम्यप्रभाजी और कार्यक्रम के संयोजक दिनेश मरोठी ने किया। सभा के मंत्री गुलाब बाँटिया ने सभी को धन्यवाद दिया। सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों से आचार्य श्री महाश्रमणजी के आदर्शों, अहिंसा, संयम, सदाचार एवं नैतिकता को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया गया। आयोजन में तेरापंथ सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद एवं सहयोगी संस्थाओं का सराहनीय योगदान रहा।



तीर्थकरों द्वारा स्थापित सर्वोच्च संस्था है चतुर्विध संघ : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। शहर के होस्करु रोड स्थित सुशील धाम में चल रहे समर उपधान तप के अंतर्गत भगवान महावीर स्वामी के केवलज्ञान कल्याण और शासन स्थापना दिवस विषय पर प्रवचन देते हुए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस तरह देश की सुचारु राज्य व्यवस्था के लिए प्रशासन जरूरी है उसी प्रकार समस्त जीवसृष्टि के कल्याण हेतु नीति नियमों का ढांचा जरूरी है। भगवान महावीर स्वामी ने वैशाख शुक्ल 11 के दिन इसी ढांचे यानी शासन की स्थापना की। इस आज्ञात्रं को स्वीकारने वाला प्रत्येक साधक सुखी बन सकता है। जिस प्रकार राज्य अपने दायरे में आने वाले नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेता है उसी प्रकार

जिनशासन भी अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक साधक के जीवन में सुख प्राप्ति और दुःख मुक्ति सुनिश्चित करता है। आचार्यश्री ने कहा कि आज से करीब 2600 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल दशमी के दिन भगवान महावीर स्वामी को साधना की फलश्रुति के रूप में केवलज्ञान की प्राप्ति हुई जिसके बाद उन्होंने धर्मोपदेश देना प्रारंभ किया। लेकिन उस दिन सर्वथा पापहित जीवन यानी दीक्षा लेने वाला कोई उपस्थित नहीं होने के कारण संघ स्थापना नहीं हुई। इस बात से संघ स्थापना एवं संचालन में साधु पद की महत्वपूर्ण भूमिका का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने अगले दिन यानी वैशाख शुक्ल 11 के दिन चतुर्विध संघ की स्थापना की जिसे इन्द्रभूति गौतम आदि प्रकाण्ड विद्वान 11 पंडितों ने अपने हजारों शिष्यों सहित दीक्षा जीवन अपनाया। उसी दिन भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ

अर्थात् साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका चार पदों की स्थापना कर उन्हें अनेक धार्मिक अधिकार सौंपे। किसी भी पद को मात्र सत्ता या अधिकार के रूप में मानने के बजाए उसे सेवा का अवसर और जिम्मेदारी निभाने का माध्यम मानना चाहिए। श्रावक पद स्वयं तीर्थकरों द्वारा प्रदत्त एक गौरवशाली पद है जिसकी गरिमा उस पद के अनुरूप बताए गए आचार और व्यवहार के पालन में समाई हुई है। अतः प्रत्येक जैन गृहस्थ इस आचार संहिता के महत्व को समझकर सदाचारमय जीवन जीने का प्रयास करें सभी शासन स्थापना दिवस मनाने की सार्थकता होगी। समर उपधान समिति के सदस्य मनीष बालिया ने बताया कि यहां चल रहे समर उपधान तप के 18 दिवसीय प्रथम चरण की समाप्ति के बाद रविवार से दूसरे चरण अर्थात् दूसरे अद्वारिये में अनेक आराधक जुड़े।



उपाध्यायश्री केवलमुनि के पुण्यस्मरण दिवस पर उनके गुणों को किया गया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। स्थानीय गुरु केवल भक्त परिवार के तत्वावधान में रविवार को दोड्डनिकुन्दी गौरक्षणा शाला परिसर में स्थित केवल आराधना स्थल पर उपाध्यायश्री केवलमुनिजी का 32वां पुण्य स्मरण दिवस दो-दो सामायिक साधना के साथ पूरी श्रद्धा व आस्था सहित मनाया गया। कार्यक्रम में श्रमण संघीय मंत्री श्री कमलमुनिजी कमलेश, समकित मुनिजी एवं साध्वीश्री मनीषाजी आदि ने सांन्निध्यता प्रदान की। गुरुभक्तों ने केवल आराधना स्थल पर जाप कर गुरुदेव के प्रति आस्था व्यक्त की।

गुरु का नाम स्मरण ही कल्याण का साधन है : कमलमुनि कमलेश

इस मौके पर उपस्थित कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि आस्था परीक्षा लेती है

किंतु हमें त्याग और त्यागी का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु का मात्र नाम स्मरण से ही हम भव सागर से पार उतर सकते हैं। गुरु का नाम नाव का कार्य करता है जो हमें सागर रण्डी संसार को पार कराता है। हमारी भक्ति ही हमारा कल्याण कर सकती है। भक्ति टकराव या नफरत पैदा नहीं करती है।

'केवल' भक्त बन कर रहें, क्योंकि भक्त ही भगवान बनाता है : समकितमुनि

इससे पूर्व अपने उद्बोधन में डा. समकितमुनिजी ने श्रद्धालुओं से कहा कि गुरु इस भव, भव भव और भव भव में शरण दाता होते हैं। हमारा शीश दे कर भी यदि गुरु मिले तो यह सरता सौदा है। किस्मत वालों को ही गुरु मिलते हैं। हमें हमेशा अपने गुरु में अपनी श्रद्धा को अडिग रख कर गुरु को आगे रखना चाहिए। तभी हमें सफलता प्राप्त होगी। समकितमुनिजी ने कहा कि दक्षिण में धर्म का ठहराव और प्रचार

केवलमुनिजी जैसे संतों के कारण ही है। उन्होंने कहा कि आज हमारे घर में जो धर्म स्मरण से ही हम भव सागर से पार उतर सकते हैं। गुरु का नाम नाव का कार्य करता है जो हमें सागर रण्डी संसार को पार कराता है। हमारी भक्ति ही हमारा कल्याण कर सकती है। भक्ति टकराव या नफरत पैदा नहीं करती है।

शिक्षा, स्वाध्याय व साधर्मिक भक्ति के हिमायती थे केवलगुरु

लेखा मकाना के मंगलाचरण पश्चात् प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वीश्री पूर्वाजी ने कहा कि केवलमुनिजी बहुआयामी संत, चरित्र शिल्पकार थे जिन्होंने जिनशासन की अनेक विध प्रभावना की और अनेकों का जीवन निर्माण भी किया। पुण्योत्सव सभा का संचालन करते हुए बंगलूर स्थानकवासी महासंघ के

महामंत्री अभयकुमार बाँटिया ने उपाध्याय श्री केवलमुनि जी के जीवन का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि केवल मुनिजी का अंतिम चातुर्मास अलसूर में हुआ था। केवलमुनिजी एक कुशल प्रवचनकार, रचना चाहिए, क्योंकि जिस पर गुरु की कृपा हो जाती है उसे सब कार्य सिद्ध हो जाते हैं। गुरु का आशीर्वाद लेने वाला चाहिए क्योंकि गुरु का आशीर्वाद कभी भी खाली नहीं जाता वह तो हमेशा फलता ही फलता है।

अनेक शिक्षा संस्थाओं के प्रेरक तथा स्वधर्म के हिंसेवी थे। अशोक बोहरा ने भी सभा को संबोधित किया। इस आयोजन के लाभाभारती राजमल, उत्तमचंद, महेंद्र कोठारी के साथ आरकोणन व मैसूर संघ के पदाधिकारी तथा जैन मिशन हॉस्पिटल के ड. नरपत सोलंकी, सुरेश बिट्टू जैन का सम्मान किया गया। समारोह में अनेक संघों व संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति थी। राजेश गोलेछा, श्रेयांश मरलेवा, नंदू कोठारी, पवन धारीवाल ने व्यवस्था में सहयोग दिया। केवल गुरु भक्त परिवार की ओर से राजेश गोलेछा ने सभी को धन्यवाद दिया।



तेयुप के भक्ति संध्या कार्यक्रम में बहरी गुरु भक्ति की बयार

बंगलूर/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर व विजयनगर के सदस्यों द्वारा शनिवार रात को आचार्यश्री महाश्रमणजी के 53वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के अवसर पर साधना से युक्त विशेष कार्यक्रम 'गुरु महाश्रमणोत्सव मंगलम-3.0' का आयोजन मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी के सांन्निध्य में तेरापंथ सभा भवन में किया गया। तुलसी संगीत सुधा एवं विजय स्वर संगम के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण किया गया। परिषद के अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में वॉयस ऑफ बंगलूर प्रतियोगिता

के विजेता रहे नूतन बेंगानी, सौरभ बेद एवं हर्ष पगारिया ने भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गुरुमय बनाया। सभी गायकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर दिनेश मरोठी, आलोक छाजेड़, तेरापंथ सभा, महिला मंडल के सदस्य, तेयुप विजयनगर के मंत्री योगेश पोरवाल, उपाध्यक्ष प्रदीप बाबेल, तेयुप आरआरनगर के उपाध्यक्ष प्रवीण बेद, कोषाध्यक्ष विनीत सेठिया व अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तेयुप आरआर नगर के मंत्री संदीप बेद ने किया। उपाध्यक्ष विपुल पितलिया ने धन्यवाद दिया।

करते हुए कहा कि यह क्रिकेटर को छद्मा मारने या सैनिक को गोली चलाने के लिए कहने जैसा है। कार्यक्रम के सामने आए वीडियो में वह कहते दिखे, 'यही मैं बदलना चाहता हूँ।

कैलाश खेर ने एक कार्यक्रम में गाने से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। गायक कैलाश खेर ने एक कार्यक्रम में यह कहते हुए गाने से इनकार कर दिया कि 'कलाकारों को मसखरा मत बनाइए'। उन्होंने ऐसी मांग न करने की भी अपील की।

खेर शनिवार को दिल्ली में एक पुरस्कार समारोह में शामिल हुए, जहां उनसे कुछ पंक्तियां गाने के लिए कहा गया। अनुरोध को अस्वीकार करते हुए, गायक ने विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों की तुलना

करते हुए कहा कि यह क्रिकेटर को छद्मा मारने या सैनिक को गोली चलाने के लिए कहने जैसा है। कार्यक्रम के सामने आए वीडियो में वह कहते दिखे, 'यही मैं बदलना चाहता हूँ।



बिशाप काटन वीमेंस कॉलेज का वार्षिक खेल समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर।बिशाप काटन वीमेंस क्रिश्चियन कॉलेज ने गत शुक्रवार को अपना 35वां वार्षिक खेल समारोह बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने जोशपूर्ण भागीदारी दिखाई और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर सुनीला कुमारी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए व्यक्तिगत के समग्र विकास में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।इंद्रस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनुशा उपस्थित रहीं, जो बंगलूर में बेस्काम विजिलेंस की सहायक पुलिस आयुक्त हैं तथा कॉलेज की प्रतिष्ठित पूर्व छात्रा भी हैं। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने

छात्राओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।इकार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मेजर (सेवानिवृत्त) डॉ. विजय कुमार गोपाल थे, जो एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उनकी गरिमायुगी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राओं को शैक्षणिक और शारीरिक फिटनेस के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। खेल समारोह की शुरुआत एक दिन पूर्व इन्डोर एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं जैसे थ्रोबॉल, कैरम (एकल एवं युगल) तथा अन्य गतिविधियों के साथ हुई।पुष्प दिवस पर रोमांचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।छात्राओं ने दृढ़ता और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह एवं अतिथियों के प्रेरणादायक उद्बोधन के साथ हुआ। 35वां वार्षिक खेल समारोह अत्यंत सफल रहा।



मल्लेश्वरम में निकली शोभायात्रा से माहौल हुआ हिन्दूमय

बंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के शिव गर्जना युवा सेना द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के 399वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार को मल्लेश्वरम स्थित काडू मल्लिकार्जुन देवालय से शोभायात्रा निकाली गई। समाजसेवी महेंद्र कुमार, भाजपा नेता सातगिरि गोड्डा, रणेश राव ने हिंदू ध्वज लहराकर शोभायात्रा का शुभारंभ कर चोहान एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

महिलाएं केदारिया साफा पहने हुए 'जय भवानी-जय शिवाजी' का उद्बोध करते हुए शामिल हुए। शोभायात्रा से पूरे क्षेत्र का वातावरण हिंदूमय हो गया। विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता शोभायात्रा में शामिल थे। सेना के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, उपाध्यक्ष शिवशंकर पवार, मंत्री केशव राव चोहान एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

किशोर ने 10 वर्षीय बच्चे को डूबने से बचाया

मंगलूर। कर्नाटक में सोमेश्वर समुद्र तट पर एक किशोर ने 10 वर्षीय एक लड़के को तेज लहरों में डूबने से बचाया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, विटला मेंगिनापेटे का मोहम्मद अशमन (10) शनिवार को अपने परिवार के साथ सोमेश्वर

समुद्र तट पर आया था, तभी वह तेज लहरों की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि स्थिति को लहरों में डूबने से बचाया। पुलिस ने रविवार को बचाने के लिए तुरंत समुद्र में कूद गया तथा वह बचे को सुरक्षित बाहर निकालने से पहले करीब 10 मिनट तक लहरों से जूझता रहा।